जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 10 प्रभात कोटा, शुक्रवार 24 अक्टूबर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

## कांग्रेस ने बिहार के चुनाव में सहायक की भूमिका निभाने की स्वीकृति दी

### इससे पूर्व गांधी की सफल ''वोट चोरी'' यात्रा के बाद कांग्रेस में महत्वाकांक्षा जागी थी कि वह महागठबंधन में बड़े भाई की भूमिका निभायेगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। आज बिहार महागठबंधन के नेताओं द्वारा आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से तीन महत्वपूर्ण संदेश उभरकर सामने आए हैं। पहला, कि राजद और महागठबंधन के सीएम उम्मीदवार तेजस्वी यादव, अब से विपक्षी अभियान को संचालित करेंगे। दूसरा कि कांग्रेस कई हफ्तों की कड़ी सौदेबाजी के बाद मान गई है कि उसे एक बार फिर से ''दूसरे नंबर'' का रोल निभाना होगा। और तीसराः तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार और वीआईपी के मुखिया मुकेश सहनी को डिप्टी मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करके विपक्षी खेमे का उद्देश्य खेमे में और ज्यादा दरार डालना है, क्योंकि एनडीए ने अब तक अपने मुख्यमंत्री उम्मीदवार का नाम नहीं घोषित किया है। एनडीए के अभियान का नेतृत्व वर्तमान मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार कर रहे हैं। लेकिन गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि नए चुने गए

- कांग्रेस गुट का मानना था कि, हालांकि, उसे अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति में दो कदम पीछे हटना पड़ा है, पर, चुनाव के बाद जो परिस्थितियाँ बनेंगी, उसमें वो अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति में चार कदम आगे बढ़ जायेगी।
- विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का वादा करने के बाद, अब कांग्रेस का लक्ष्य है कि चुनाव के बाद अपने आदमी को दूसरा उपमुख्यमंत्री बनवा लेगी।
- राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस की यह आशा यथार्थ में तभी परिवर्तित होगी, जब उसका चुनाव में प्रदर्शन पिछली बार से बेहतर होगा। पिछले चुनाव में कांग्रेस सत्तर सीटों पर लड़ी थी और केवल उन्नीस सीटों पर जीती थी।

विधायक ही अगले मुख्यमंत्री के चुनाव का फैसला करेंगे।

आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में, तेजस्वी यादव के चेहरे वाले बैकग्राउंड पोस्टर पर यह कैप्शन थाः बिहार मांगे तेजस्वी सरकार। राहुल गांधी की सफल ''वोट चोरी'' यात्रा के बाद, राज्य कांग्रेस महागठबंधन में ''बड़े भाई'' की भूमिका निभाने की कोशिश कर रही थी। लेकिन आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद यह प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने फिलहाल अपनी महत्वाकांक्षाओं को स्थगित कर दिया है। जबकि कांग्रेस ने दो कदम पीछे हटाए हैं, वह चुनाव बाद के परिदृश्य में चार कदम आगे बढ़ने की उम्मीद करती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने इस संदर्भ में अप्रत्यक्ष संकेत दिए, यह कहते हुए कि विपक्षी खेमे को एक नेता या एक पार्टी नहीं चला रही है, बल्कि यह एक जैसे विचारों वाली पार्टियों और नेताओं का गठबंधन है। यह महत्वपूर्ण है कि जबकि मुकेश सहनी को संभावित डिप्टी मुख्यमंत्री के रूप में नामित किया गया है, वहीं गहलोत ने घोषणा की कि महागठबंधन की जीत की स्थिति में एक और डिप्टी मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाएगा। संभावना है कि कांग्रेस अपने उम्मीदवार को दूसरा डिप्टी मुख्यमंत्री घोषित करने की कोशिश करेगी, जो संभवतः पिछड़ी जाति का उम्मीदवार हो सकता है। हालांकि, यह गणना इस समय एक बड़ी आशा मात्र हो सकती है, क्योंकि यह देखना बाकी है कि

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## केदारनाथ व यमुनोत्री धाम के कपाट बंद हुए

देहरादून, 23 अक्टूबर। हिमालय पर्वत की श्रृंखलाओं में बसे देवभूमि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत, मां यमुनोत्री मंदिर और जनपद रुद्रप्रयाग में भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए गुरुवार को बन्द हो गए।

- वैदिक मंत्रोचारण व सेना के वाद्य मंत्रों की धुनों के बीच भैया दूज के दिन कपाट बंद करने की प्रक्रिया पूरी हुई।

हिन्दू पंचांग गणना के अनुरूप भैया दूज, कार्तिक शुक्ल सप्तमी, अनुराधा नक्षत्र के पावन अवसर पर, वैदिक मंत्रोच्चारण और सेना के वाद्य यंत्रों की भक्तिपूर्ण मधुर धुनों के बीच इन दोनों पवित्र धामों के कपाट बंदी की प्रक्रिया संपन्न हुई।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवसर पर यमुनोत्री धाम से सम्बद्ध पंडा पुरोहितों, के अलावा, कुल 132 भक्त कपाट बन्द होने की प्रक्रिया के साक्षी रहे। यहां इस यात्रा वर्ष में कुल 6 लाख, 44 हजार 637 श्रद्धालुओं ने माता यमुना जी के दर्शन किए हैं। जबकि भगवान श्री केदार नाथ मंदिर में आज कुल 11,415 पंजीकृत श्रद्धालु कपाट क्रिया के दौरान उपस्थित रहे। अभी तक सम्पूर्ण यात्रा काल में यहां कुल 17 लाख 68 हजार 795

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## अमेरिका ने कभी हाँ कभी ना की नीति त्यागी और रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये

### दो रूसी कंपनियाँ, जो रूस का पचास प्रतिशत से ज्यादा तेल निर्यात करती हैं, से तेल खरीदने वाले देशों को भारी दिक्कत में डाला

-अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। संयुक्त राज्य अमेरिका ने अंततः रूस पर कड़ा प्रहार किया है। इसके पहले उसने कई बार रूस को प्रतिबंध लगाने की धमकी दी और फिर इन प्रतिबंधों को लागू करने से बचता रहा।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस के दो प्रमुख तेल निर्यातकों, लुकोइल और रोसनेफ्ट पर व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं। कहा जा रहा है कि इन दोनों कंपनियों का संयुक्त रूप से रूस के कुल तेल निर्यात में आधा हिस्सा है।

इन प्रतिबंधों के लागू होने के बाद, भारत के लिए रूस के तेल के आयात को जारी रखना कहीं अधिक कठिन हो जाएगा। वैश्विक मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, जो रूस के तेल का प्रमुख खरीदार थी, पहले ही वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

रूस से तेल खरीदने के बजाय, बड़े पैमाने पर ग्लोबल मार्केट से तेल खरीदना शुरु होने से वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आ सकती है। हालांकि, भारत अपनी बड़ी खरीदारी के कारण कुछ छूट की मांग कर भी सकता है। तथापि, बदले हुए खरीद कार्यक्रम

- इन कंपनियों से जो तेल खरीदेंगे, उन्हें अमेरिका ब्लैकलिस्ट करेगा और जो बैंक यह सौदा करवाने की सुविधा प्रदान करेंगे उन्हें अमेरिका की मार्केट में काम नहीं करने दिया जायेगा और ये बैंक अमेरिका के क्लियरिंग हाउस सिस्टम का उपयोग भी नहीं कर पायेंगे।
- ट्रंप ने जबसे यह महसूस किया कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अमेरिका के साथ फायनैंशियल समझौता करने को बारे में गंभीर नहीं हैं तथा अमेरिका के किसी भी शांति प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, तभी से उन्होंने मन बनाया था कि वे रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगायेंगे।
- उदाहरण के लिए, पुतिन ने यूक्रेन की 80-85 प्रतिशत भूमि पर अपने नियंत्रण की मांग रखी, इसमें वह क्षेत्र भी शामिल है, जिस पर अभी यूक्रेन का पूर्ण कब्जा है।
- इन आर्थिक प्रतिबंधों को सफल बनाने में अमेरिका कितना गंभीर है, इस पर निर्भर करेगी, प्रतिबंधों की सफलता या असफलता।

वैश्विक बाजारों पर भारी दबाव बनाएंगे।

तथापि, अब तक इस बात का कोई संकेत नहीं है कि चीन इन प्रतिबंधों से प्रभावित हुआ है या नहीं। भारत के अलावा, चीन रूस के तेल का प्रमुख

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## महागठबंधन के पोस्टर में सिर्फ तेजस्वी छाए, राहुल नदारद

### पोस्टर की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। पटना में महागठबंधन की बहुप्रतीक्षित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के स्थल पर लगे एक बैनर से इन्डिया ब्लॉक के शीर्ष नेताओं की तस्वीरें गायब थीं, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस बैनर की तस्वीर पर केवल राजद नेता तेजस्वी यादव की एक बड़ी तस्वीर थी।

महागठबंधन के नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस राज्य की राजधानी में आयोजित की गई थी।

इन्डिया ब्लॉक के घटक दलों के बीच विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर गतिरोध के बीच, महागठबन्धन के नेताओं की यह पहली ही प्रैस कॉन्फ्रेंस थी। कॉन्फ्रेंस में राजद नेता तेजस्वी यादव, बिहार चुनावों के लिए कांग्रेस के पर्यवेक्षक अशोक गहलोत, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और अन्य नेता उपस्थित थे।

कांग्रेस और राजद के बीच कई दिनों तक चली तकरार के बाद, जिसने उन्हें बिहार के कई निर्वाचन क्षेत्रों में एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है, दोनों दलों ने बुधवार को आपस में सामंजस्य बैठाने और ताकतवर से एनडीए के खिलाफ एकजुट होकर मजबूती से चुनावी लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजद प्रमुख लालू प्रसाद और उनके बेटे और उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव से बातचीत करने के लिए बुधवार को पटना पहुँच गये थे।

- महागठबंधन की पहली संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस के बैकग्राउण्ड में लगे पोस्टर ने सभी का ध्यान खींचा। पोस्टर में सिर्फ तेजस्वी यादव नज़र आ रहे थे। राहुल गांधी सहित इंडिया गठबंधन के एक भी नेता को पोस्टर में स्थान नहीं दिया गया था, जिससे महागठबंधन में दरार की अटकलें तेज हो गई हैं।
- बिहार में भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ''पहले राहुल ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं माना। अब तेजस्वी ने पोस्टर से राहुल को हटा दिया। यह पोस्टर महागठबंधन के टूटने की भविष्यवाणी है।''

गहलोत ने बुधवार को लालू से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, ''हम एनडीए का मुकाबला एक टीम के रूप में करेंगे। अगर 243 में से 5 या

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ चिटनिस का निधन

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर। प्रख्यात भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस का बुधवार को पुणे स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे।

- मृत्यु के समय उनकी आयु 100 वर्ष थी।

भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में मशहूर चिटनिस ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (आईएनसीओएसपीएआर) की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, जो बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रूप में विकसित हुई।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर चिटनिस को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें, ''हमारे अंतरिक्ष अभियान के प्रतीक पुरुषों में से एक'' बताया है। रमेश ने 10 फरवरी, 1962 की उस ऐतिहासिक मुलाकात को याद किया, जब चिटनिस, इसरो के जनक

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## बॉलीवुड का सैट डिज़ायनर महागठबंधन का भावी उपमुख्यमंत्री कैसे बना

### पटना के मौर्य होटल में सहनी ने नाटकीय ढंग से अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की और महागठबंधन को घोषणा करने को मजबूर किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। मुकेश सहनी (44) की विकासशील इंसान पार्टी को समर्थन देने वाली मल्लाह जाति पूरे बिहार में फैली हुई है, लेकिन बिहार के कुछ जिलों और निर्वाचन क्षेत्रों, खासकर उत्तर, में इसका महत्वपूर्ण चुनावी प्रभाव है।

क्योंकि विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने आखिरी पल में ''मुझे डिप्टी मुख्यमंत्री बनाओ'' का धमाका कर दिया था। इसलिए महागठबंधन के नेताओं को आपात बैठक बुलानी पड़ी।

सहनी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने से इनकार कर दिया, जब तक उन्हें गठबंधन में ''सम्मानजनक पद'' नहीं दिया जाता, जो कि बिहार के हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों के लिए उनके अब तक के संघर्ष के अनुकूल हो। उन्होंने कथित तौर पर गठबंधन के नेताओं से कहा, ''अगर 'महागठबंधन' सामाजिक न्याय की बात करता है, तो हम पदों में भी हिस्सेदारी चाहते हैं, सिर्फ सीटें नहीं।''

यह ड्रामा प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से कुछ घंटे पहले हुआ।

सूत्रों के मुताबिक, साहनी मौर्या होटल के एक सुइट में ठहरे हुए थे। विपक्षी गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेता भी उसी होटल में ठहरे थे इनमें अशोक गहलोत भी थे।

- गठबंधन के सभी घटक नेताओं को वरिष्ठ पर्यवेक्षक के कमरे में इकट्ठा होकर संयुक्त महागठबंधन की बैठक में जाना था, एकता प्रदर्शित करते हुए।
- सभी नेता आए, पर, मुकेश सहनी नहीं आए, उन्होंने संदेश भिजवाया कि महागठबंधन यदि सामाजिक न्याय में विश्वास करता है तो मल्लाह समुदाय के प्रतिनिधि को उपमुख्यमंत्री का पद प्रेषित किया जाए।
- कांग्रेस नेताओं ने मजबूरन दिल्ली बात की। मल्लाह जाति का राजनीतिक महत्व समझते हुए दिल्ली से स्वीकृति दी और सहनी प्रैस कॉन्फ्रैंस में सम्मिलित हुए।

ऐसा प्रतीत होता है कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सुइट संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले नेताओं की बैठक का केंद्र था। तेजस्वी यादव ने समय पर पहुंचकर हिस्सा लिया, लेकिन मुकेश सहनी नहीं पहुंचे।

संदेश स्पष्ट था – 'अगर यादव को गठबंधन का चेहरा बनना है, तो मैं उनका डिप्टी बनूंगा।'

सहनी की घोषणा ने महागठबंधन में नाजुक सामंजस्य को खतरे में डाल दिया, जिसके कारण यादव को व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करना पड़ा। राजद प्रमुख ने सहनी को आश्वासन दिया कि अगर विपक्षी गठबंधन चुनाव जीतता है, तो हर पार्टी को सरकार में हिस्सा मिलेगा। हालांकि यह आश्वासन सहनी के लिए पर्याप्त नहीं था।

फिर गहलोत ने दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय से बात की।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## मनीष शर्मा युवा कांग्रेस के प्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। कांग्रेस ने गुरुवार को कृष्णा अल्लावरू की जगह मनीष शर्मा को भारतीय युवा कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किया है। अल्लावरू वर्तमान में पार्टी के बिहार प्रभारी हैं और पिछले कई महीनों से दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे।

- वे कृष्णा अल्लावरु की जगह लेंगे अल्लावरु बिहार में कांग्रेस के प्रभारी हैं।

कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शर्मा की नियुक्ति के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। कांग्रेस पार्टी ने यह बदलाव उस समय किया है, जब बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां चुनावी मैदान में ताल ठोक रही हैं। मनीष शर्मा कांग्रेस के वाइट टी-शर्ट मूवमेंट का प्रभार देख रहे हैं। यह आंदोलन राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## नेतृत्व के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं, बिहार में नीतीश समर्थकों की भाजपा को दो टूक

### सहयोगी दलों को ''डॉमिनेट'' करने की भाजपा की नीति का करारा जवाब दे रहे हैं नीतीश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। बिहार की राजनीतिक स्थिति में उस समय एक बड़ा मोड़ आ गया, जब महागठबंधन ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तेजस्वी यादव को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित किया। इस कदम ने न केवल विपक्षी अभियान को मजबूत किया है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक रूप से मुश्किल स्थिति में डाल दिया है, क्योंकि वह अभी भी अपने खुद के सीएम उम्मीदवार की घोषणा करने से कतरा रही है।

सत्तारुढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जो भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा मिलकर चलाया जा रहा है, अब आंतरिक असहमति का सामना कर रहा है। जेडीयू के नेता और नीतीश कुमार के समर्थकों ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर दी है कि ''नेतृत्व के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा,'' और यह घोषणा भाजपा की राज्य साझेदारों पर प्रभुत्व स्थापित करने की दीर्घकालिक रणनीति के लिये खुली और जबरदस्त चुनौती है। यह घटना दोनों सहयोगियों के बीच एक बढ़ती खाई को उजागर करती है, तथा यह संभावना जताती प्रतीत होती है कि चुनाव के बाद सरकार के नेतृत्व को लेकर दोनों दल भिड़ सकते हैं।

- ज्ञातव्य है कि भाजपा ने यह तो कह दिया है कि चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़े जाएंगे, लेकिन एनडीए के जीतने पर मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस बारे में अमित शाह ने कहा है कि यह फैसला विधायक करेंगे।
- इस घटनाक्रम से भाजपा व जदयू के बीच दरारों के संकेत मिल रहे हैं। इन दरारों का दूरगामी असर पड़ सकता है और केन्द्र में नीतीश के समर्थन पर आधारित सरकार की नींव हिल सकती है।

अभी हाल तक, भाजपा चुपचाप इस कोशिश में थी कि चुनावों के बाद बिहार में अपनी पसंद का मुख्यमंत्री स्थापित कर सके। लेकिन नीतीश कुमार के समर्थकों ने विपक्ष द्वारा तेजस्वी यादव के मजबूत और एकीकृत चेहरे के रूप में पेश किए जाने के बाद, इस मौके को भुनाया। उनका कहना है कि नीतीश बिहार में एनडीए के स्वाभाविक और परखे हुए नेता हैं, और इस मामले में कोई भी अस्पष्टता गठबंधन के चुनावी आकर्षण को कमजोर ही करेगी।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस, वामपंथी दलों तथा अन्य क्षेत्रीय दलों द्वारा समर्थित आरजेडी के नेतृत्व में महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को सीएम के रूप में पेश किए जाने से महागठबंधन को एक मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल गई है। सीएम चेहरे के रूप में तेजस्वी यादव को प्रस्तुत करने से विपक्षी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हो गया है, और शुरुआती संकेतों से यह प्रतीत हो रहा है कि युवा और ग्रामीण मतदाताओं में उत्साह बढ़ा है।

इसके विपरीत, भाजपा द्वारा किसी चेहरे को सामने न लाना और जेडीयू का बढ़ता हुआ दबाव, एनडीए के कार्यकर्ताओं में उलझन पैदा कर रहा है। कुछ विश्लेषकों का तो कहना है कि बिहार चुनाव अब महागठबंधन तथा एकजुट एनडीए के बीच का मुकाबला नहीं, बल्कि ''जेडीयू बनाम भाजपा'' का मुकाबला बनता जा रहा है।

भाजपा की चिंता और बढ़ाते हुए, राजनीतिक हलकों में यह अफवाहें हैं कि अगर चुनाव के बाद, यदि खंडित जनादेश की स्थिति सामने आती है, तथा यदि नीतीश कुमार को नजरअंदाज या अपमानित किया जाता है, तो वे भाजपा के साथ बने रहने पर पुनर्विचार कर सकते हैं। जेडीयू द्वारा केन्द्र में मोदी सरकार से समर्थन वापस लेने से एनडीए की स्थिरता पर काफी असर पड़ सकता है, क्योंकि संसद में एनडीए का संख्याबल, बहुमत से कोई खास ज्यादा नहीं है।

जैसे-जैसे 6 और 11 नवंबर को होने वाले चुनावों के लिए प्रचार तेज हो रहा है, सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि भाजपा अपने वरिष्ठ सहयोगी के साथ बढ़ती हुई तकरार को कैसे संभालती है। तेजस्वी यादव के मजबूती से सामने आने, और नीतीश कुमार के राजनीतिक प्रभाव के साथ ही, बिहार का चुनावी संघर्ष अब भाजपा के लिए गठबंधन प्रबंधन की एक बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है, और इसका परिणाम पटना से लेकर दिल्ली तक के सत्ता गलियारों में गूंज सकता है।

## 'गरीबों और बेघरों पर भारी पड़ेगी सर्दी'

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। देश में हर साल सर्दी के मौसम में हजारों गरीब और बेघर लोगों को कड़कड़ाती ठंड का प्रकोप झेलना पड़ता है। इस साल भी लाखों बेघर और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ठंड का कहर झेलना पड़ सकता है। इस संकट से गरीब बेघर परिवारों को बचाने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सर्दी के मौसम में शीतलहर की संभावना को देखते हुए गुरुवार को देश के 19 राज्य सरकारों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की है।

- मानवाधिकार आयोग ने आशंका जताई और राज्य सरकारों के लिए अलर्ट जारी किया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इन राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों से गुजारिश की है कि वे आश्रय और

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

आतंक का जन्म असंतोष से होता है असमानता से इसे हवा मिलती है और यह अपनी आग में हज़ारों को लेकर जल मरता है। -मुक्ता

# बिहार चुनाव में सभी राजनीतिक पार्टियां भाग ले रही हैं फिर क्या, संविधान के अनुच्छेद 329 की पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 4 नवम्बर को सुनवाई का कोई औचित्य है?

बिहार एसआईआर अर्थात् Special Instentive Revision of Bihar Electoral Rolls की वैधानिकता यानी चुनाव आयोग के एसआईआर किये जाने के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिनांक 16 अक्टूबर, 2025 को अन्तिम बहस की सुनवाई के लिये माननीय सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 4 नवम्बर, 2025 की तारीख नियत की है। इन चुनाव याचिकाओं के दायर करने के बाद अब यह स्थिति बन गई है कि बिहार में 6 नवम्बर व 11 नवम्बर, 2025 को दो फेजेज में चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया है कि फाइनल वोटर्स लिस्ट, वोटर्स के नाम काटे जाने व जोड़ने के बाद, शीघ्र ही प्रकाशित की जावेगी। चुनाव आयोग के इस Submission के बाद अपनी प्रतिक्रिया में खण्डपीठ ने कहा "हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि आयोग अपने उत्तरदायित्व को निभायेगा और लिस्ट प्रकाशित की जावेगी, हम मामले की सुनवाई अभी बंद नहीं कर रहे हैं।" इससे पूर्व प्रशान्त भूषण एडवोकेट ने अपनी बहस में कहा था कि चुनाव आयोग को अपनी फाइनल लिस्ट के जोडे गये व काटे गये मतदाताओं के नामों का उल्लेख करना होगा साथ ही ऐसा किये जाने के कारण भी बताना होगा।

चुनाव आयोग के सीनियर एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने कहा कि आयोग फाइनल लिस्ट जारी करने की प्रक्रिया को पूरा करने जा रहा है; क्योंकि प्रथम फेज के चुनाव हेतु 17 अक्टूबर को नामजदगी पत्र भरने की अन्तिम तारीख है और द्वितीय फेज के हेतु 20 अक्टूबर की। दोनों तारीखें भी निकल चुकी हैं। फाइदल लिस्ट चुनाव आयोग ने जारी कर दी है। सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकर नारायणन ने व एडवोकेट वृन्दा ग्रोवर ने अन्य पिटीशनर्स के एडवोकेट ने इंगित किया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट की पीठ को इस आपत्ति पर बहस सुननी है कि क्या चुनाव आयोग को एसआईआर जारी करने का अधिकार है?

सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ के समक्ष समय-2 पर बहस में आपत्तियां उठाई है। योगेन्द्र यादव ने बहस करते हुये कहा कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जावे कि कितने विदेशियों का नाम मतदाता सूची से काटे गये हैं उनके विवरण प्रकाशित करे, क्योंकि इस संबंध में कई गडबडियां हैं। यह भी आपत्ति उठाई गई है कि थोक में (Mass Exclusion) हुआ है। यह भी कहा गया कि 65 लाख व्यक्तियों के नाम काटे गये हैं और इनके कोई विवरण भी नहीं हैं। यह भी बहस में आया है कि नागरिक कौन है? इसको साबित करने का भार मतदाता पर शिफ्ट नहीं किया जा सकता। यह भी बहस में आया है कि चुनाव आयोग को एेंई करने का अधिकार नहीं है।

चुनाव आयोग का कथन है कि उन्होंने 65 लाख मतदाताओं के नाम जिन्हें हटाया गया है उनके नाम व कारण के विवरण दिये हैं। आधार कार्ड के आधार पर उन मतदाताओं के नाम जोडने की प्रार्थना पत्र ऑन लाईन पेश करने को कहा है, जिनके नाम हटाये हैं।

चुनाव आयोग ने एसआईआर के समय मुस्लिमों के नाम हटाने के आरोप को झूठा प्रचार कहकर खण्डन किया है और निवेदन किया है ऐसी Communal प्रवृत्ति को Deprecate किया जाना चाहिये। चुनाव आयोग ने अपने शपथ पत्र में स्पष्ट किया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में कई चरणों में आरोपों की जांच की जाकर सत्य को परखा गया है। इस कार्य में 90,000 बूथ लेवल आफिसर्स (BLO) व बूथ लेवल एजेन्ट्स (ALO) जिन्हें राजनैतिक पार्टियों ने नियुक्त किया था, प्रक्रिया में अपना योगदान दिया था। इस प्रक्रिया को घर-2 जाकर जानकारी लेकर पूरा किया गया था। जानकारी से प्राप्त जांच कार डेटा को बेवसाईट पर अपलोड किया था। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि इस जांच में राजनीतिक पाटियों और Public Spirated Organisation ने नहीं के बराबर सहयोग दिया है उनका दृष्टिकोण पूर्णतः नकारात्मक था। अपने शपथ पत्र में चुनाव आयोग ने कहा लगभग 3.66 लाख नाम को वैध प्रक्रिया के बाद ही हटाये गये थे और सत्यता का प्रमाण यह है कि किसी भी व्यक्ति ने इस बाबत अपील दायर नहीं की है। 65 लाख व्यक्तियों के नाम जो मतदाता सूची से हटाये गये हैं वे ऐसे हैं, जिन्होंने कोई वांछित प्रपत्र नहीं भरे हैं अथवा कहीं चले गये हैं और वहाँ बस गये हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है।

**चुनाव आयोग का कथन है कि उन्होंने 65 लाख मतदाताओं के नाम जिन्हें हटाया गया है उनके नाम व कारण के विवरण दिये हैं। आधार कार्ड के आधार पर उन मतदाताओं के नाम जोडने की प्रार्थना पत्र ऑन लाईन पेश करने को कहा है, जिनके नाम हटाये हैं। चुनाव आयोग ने एसआईआर के समय मुस्लिमों के नाम हटाने के आरोप को झूठा प्रचार कहकर खण्डन किया है और निवेदन किया है ऐसी Communal प्रवृत्ति को Deprecate किया जाना चाहिये। चुनाव आयोग ने अपने शपथ पत्र में स्पष्ट किया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में कई चरणों में आरोपों की जांच की जाकर सत्य को परखा गया है।**

राजनीतिक पार्टियां केवल 25 क्लेम नाम जोडने के तथा 119 पर आपत्तियां उठाई हैं। वास्तव में 36,475 जोडने व 2.17 लाख हटाने के क्लेम व्यक्तिगत रूप से प्राप्त हुये हैं। दिनांक 16 अक्टूबर 2025 तक फाइनल लिस्ट में जो नाम हटाये गये हैं, कोई अपील प्राप्त नहीं हुई है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट उल्लेख किया कि कुछ लोगों ने व्यर्थ में शोर मचाया है कि 3.66 लाख वोटर्स के नाम उन्हें बिना सुने काट दिये हैं, किन्तु किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम नहीं दिया है।

65 लाख नाम उन्हीं के काटे गये हैं, जिनकी मौत हो चुकी है, जो Migrate हो गये हैं या अन्य दूसरी जगह बस गये हैं या दूसरे निर्वाचन क्षेत्र (Constituency) में मतदाता हो गये हैं। चुनाव आयोग यह भी स्पष्ट किया है नाम हटाने की उक्त प्रक्रिया भी धारा 17 जनप्रतिनिधत कानून 1951 के अनुसार है। जिनके नाम काटे गये हैं ऐसे 3.66 लाख वोटर्स को नाम काटने से पूर्व ERO/AERO द्वारा नोटिस दिये हैं और सुनवाई का अवसर दिया था तथा Speaking Order पारित किया था और व्यथित व्यक्ति को आदेश की नकल दी थी। इनमें किसी ने भी अपील नहीं की है।

दिनांक 16.10.2025 तक 21.53 लाख नये मतदाता जोडे गये हैं और बिहार की फाइनल (अन्तिम) मतदाता सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं।

एसआईआर की प्रक्रिया पर आपत्ति उठाई गई है कि एसआईआर करने का अधिकार जनप्रति अधिनियम, 1951 में नहीं है अतः कार्यवाही अवैध है। इसका स्पष्ट उत्तर संविधान के अनुच्छेद 324 सपठित अनुच्छेद 327, 328 व 329 में देखा व पढ़ा जा सकता है।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है। संविधान के अनुच्छेद 326 में चुनाव में मतदाता को वयस्क मताधिकार दिया है, अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को जो भारत का नागरिक है उसे मतदाता माना है। चुनावों की प्रक्रिया क्या होगी, इसके सम्बन्ध में संसद को अधिकार दिया है, वह कानून बना कर संचालन की व्यवस्था करेगी, जो संविधान के उपबन्धों के अधीन होगी। इसका अर्थ है कि संसद का कानून किसी भी प्रकार अनुच्छेद 324, 325, 326, 327 व 328 में दिये गये अनुबन्धों को सीमित नहीं करेगा। साथ ही अनुच्छेद 329 में यह भी स्पष्ट कर दिया कि निर्वाचन (चुनाव) के मामलों में न्यायालय का हस्तक्षेप वर्जित कर दिया। हाँ, यदि कोई निर्वाचन सम्बन्धित मामला है तो वह चुनाव याचिका दायर कर ही निर्णित कराया जा सकेगा। चुनाव याचिका सुनने का अधिकार राज्यों के हाईकोर्ट को दिया गया है।

केस के तथ्यों से स्पष्ट है कि बिहार चुनाव मतदाता की फाइनल सूची जारी हो चुकी है। बिहार में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। बिहार में दिनांक 6 नवम्बर, 2025 व दिनांक 11 नवम्बर, 2025 को मतदान होने वाला है। ऐसी स्थिति में संविधान के अनुच्छेद 329 के अनुसार निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालय का हस्तक्षेप वर्जित किया गया तथा विवाद का निपटारा केवल चुनाव याचिका के माध्यम ही से किया जा सकता है।

साथ ही प्रश्नगत याचिकायें जो संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् की गई हैं, PIL हैं उनकी वैधता की भी परीक्षा करनी होगी। अनुच्छेद 32 के तहत् नागरिक के व्यक्तिगत मूल अधिकारों के खण्डित होने पर ही की जा सकती है जबकि यह प्रश्न यहां पर नहीं है। मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है किन्तु मूल अधिकार (Fundamental Right) नहीं है और PIL भी किसी नागरिक के मूल अधिकार से सम्बन्धित नहीं है तथा कई प्रकार के विवाद जो बहस में उठाये गये हैं वे तथ्यों पर आधारित हैं। अतः माननीय सुप्रीम कोर्ट इन प्रश्नों पर सुनवाई कर याचिकाओं का निस्तारण करेगी ऐसी अपेक्षा की जाती है।

सुनवाई दिनांक 4 नवम्बर, 2025 को होने जा रही है देश की न्याय प्रिय जनता देश के सर्वोच्च न्यायालय से न्याय की प्रतीक्षा में है।

सबको सन्मति दे भगवान्!

**-अतिथि सम्पादक,**
**पानाचन्द जैन,**
**पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट**

# प्रेम में विरह की पीड़ा को स्वर देती है "रिंकी टेलर" की कविताएं

## पुस्तक चर्चा/ बीएल सहारण

राजस्थानी-हिंदी में समान अधिकार से लिख रहे कवि-लेखक कुमार अजय की राजस्थानी कविता पुस्तक 'रिंकी टेलर' संवेदनशील मन की अभिव्यक्ति का युग-बोध की भाव-भूमि पर उकेरन है। इस काव्य-संठाह में छोटी-बड़ी 83 राजस्थानी कविताओं को संकलित किया गया है। एकता प्रकाशन, चूरू से वर्ष 2020 में प्रकाशित इस पुस्तक का आवरण प्रख्यात चित्रकार रामकिशन अडिग की तूलिका का कमाल है। अडिग ने मन के संवेदन को रेखाओं के रंग-संयोजन से धड़कन दी है।

चूरू के गांव घांघू के रहने वाले कुमार अजय इन दिनों सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जयपुर में उप निदेशक हैं। लेखक बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। हिंदी के चुनिंदा डायरी लेखकों में उनका शुमार होता है। राजस्थानी भाषा में उनकी कलम कविता रचने में अधिक रमी है। लेखक का मन प्रेम में वियोग की दशा के चित्रण में जितना रमा है, उतना संयोग में नहीं। राजस्थान की संस्कृति के साथ-साथ शहरी जीवन से अछूती देहात की उप संस्कृति का चित्रण अजय ने अधिकारपूर्वक किया है, वहीं बदलते सामाजिक मूल्यों पर धारधार व्यंग्य से मन को खुरचने में भी वे सफल रहे हैं।

'रिंकी टेलर' में प्रेम की पीड़ा को जुबान मिली है। यहां पीड़ा का आर्तनाद नहीं है बल्कि यादों के भंवर में आत्ममुग्धता है। कवि का आत्मबोध मन की संवेदनाओं की उपज है। मन के उद्वेलन में वे कवि सीमा का उल्लंघन कर दार्शनिक बन जाते हैं। यद्यपि विषय प्रेम है किंतु कवि अक्सर इस प्रेम को दर्शन के सांचों में ढालते नजर आते हैं। समाज में पनपती विडंबनाओं पर प्रश्न अवश्य खड़े करते हैं पर उत्तर नदारद हैं। रिंकी टेलर के बहाने कवि गांव का कोना-कोना झांक आए भी हैं और उन कोनों को भी जुबान भी बखूबी दे रहे हैं।

इस संकलन की प्रथम कविता 'म्हैं वठै थन्नै हेरूं' की ऐनक से स्मृतियों के क्रीड़ांगनों में रिंकी की अठखेलियों को देखा है और 'अर खुद न जीयो' के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रेम की क्रीड़ा भूमि भले ही दुकान, स्कूल, हनुमान मंदिर हो पर इसकी भाव-भूमि उज्ज्वल मन है। कवि ने मन की संवेदना को निश्छल कपट कहा है। इस 'निश्छल कपट' की अवधारणा में प्रेम का उदात्त रूप समाहित है। 'अठै है कै वठै है थूं, नीं है तो पछै कठै है थूं' में अजय कवि से दार्शनिक बन जाते हैं। रिंकी टेलर कौन है, यह तो कुमार अजय जानें लेकिन कवि ने यहां रिंकी टेलर के किरदार और मुहब्बत को राजस्थानी भाषा की रवानी से कविता में सजीव कर दिया है।

कविता की मूल संवेदना भले ही प्रेम हो पर कवि का गांव-गुवाड़ से मोह प्रांरभ से अंत तक दिखा है। ठेठ देहात के प्रतीकों 'चिड़कल्यां', 'ठीयौ', 'गळियां रो मूंन' के जरिए उन्होंने संवेदनाओं को चेतना प्रदान की है। 'वठै केई चिड़कल्यां दापळी बैठी हैं', 'पोथ्यां रा फाटेड़ा पानां फड़फड़ावै', 'दुकानां री चेळ' जैसे दृश्य बिंबों द्वारा और 'हणंमान मिंदर री आरती', 'घरां रै रोळैरब्बै' जैसे श्रवण बिंबों से कविता को ताजगी प्रदान की है।

इस काव्य संग्रह की दूसरी कविता 'ओळख' के माध्यम से कवि ने गांव की धमनियों में धड़कते अतीत को शब्द बिंबों से जीवंत करते हुए बदलती युग चेतना को साकार किया है। 'रैयग्यौ फगत फोटुवां मांय' के माध्यम से कवि ने गांव-देहात के पुराने दृश्यों के गायब होने और फोटो में ही अस्तित्व में होने का उल्लेख कर परोक्ष रूप से फोन की भूमिका की ओर संकेत किया है। 'ओळख' कविता में कवि देहात की गलियों, पीपळ, स्कूल, गुवाड़ की धूणी, मन्दिर तक पहुंचे हैं और सटीक शब्द चयन, प्रतीकों, उपमानों एवं भावानुरूप भाषा के माध्यम से बचपन को वर्तमान से जोड़ते समय अंतर को चिह्नित करते हैं। कविता में पीपळ के संदर्भ में पंक्ति 'कै ठाडां रै कुहाड़ै सूं डरनै कर लीन्हौ आपघात' के माध्यम से मानवीकरण जैसे पाश्चात्य अलंकार का सुंदर प्रयोग किया है। गुवाड़ की धूणी का उल्लेख कर गांव के उस सामाजिक-जीवन के खात्मे पर हताशा प्रकट की है जो रिश्तों में मधुरता घोलता था, आपसी संबंधों में सुलझाव का माध्यम बनता था। गांवों में मसखरी का प्रचलन व्यंग्य-विनोद का माध्यम था। बदलते परिवेश में उस तरह मसखरी झेलने का संयम और कहने का साहस व ठस्सा अब चलन से दूर हो गया है।

कवि होळीधोरै की फीकी होली, बालाजी जांट की रौनक, चैमासे की होड़ और गली-चैराहों, गुवाड़, मंदिर, स्कूल, ढफ, दरख्त, पर बदलते समय की चोट के नई 'ओळख' बन जाने की बात रिंकी से साझा कर उससे जुड़ते हैं और अपनी वेदना कम करना चाहते हैं। काव्य की भाषा राजस्थानी का आधुनिक रूप है। गाँव-देहात को यादों में संजोने के लिए कवि ने अपने अंचल की पृष्ठभूमि प्रदान की है इसलिए बागड़ी और ढूंढाड़ी के शब्द और कहीं-कहीं उनका व्याकरणिक स्वरूप भी प्रवेश कर गया है। प्रतीकों और उपमानों के चयन में हिंदी काव्य परंपरा का प्रभाव है जबकि बिंब ठेठ देसी और मौलिक हैं। अभिव्यक्ति इतनी संक्षिप्त, सटीक और उत्कृष्ट है कि कुछ पंक्तियां सूक्ति की शक्ल में ढल गई हैं।

कविता 'बीजौ मारग नीं' में माटी, पानी, और हवा में घुले रिंकी टेलर के हेत को अपने प्रेम का प्रतिरूप मान लेते हैं लेकिन 'बीजौ मारग नीं' द्वारा अपनी विवशता भी कह जाते हैं। 'चरपरै' जैसे विशेषण का प्रयोग कर कवि ने राजस्थानी की शब्द-समृद्धता को उद्घाटित किया है और यह भी बताया है कि राजस्थानी के पारिभाषिक शब्द उधारे नहीं है। 'ओळूं रै समदर', 'चढ़तै फागण रै धमाल' जैसे रूपक सजीव बन पड़े हैं। 'मांडणा' में कवि अबूझ पहेली बने हैं तो 'अबै म्हैं वौ नीं' समय के पहियों के साथ बदले मन की धमक है। 'मुळक' और 'चितरांम' लघु कविताओं में आत्मबोध की गूंज है।

पुस्तक की कविता 'थूं है किण गुमांन मांय' परस्पर अनुरक्ति का उज्ज्वल रूप है। प्रेम प्रायः समानांतर होता है। यह संभव नहीं कि एक पक्ष अप्रभावित या निरपेक्ष बना रह सके। 'सोवणी है दुनिया' में कवि दुनिया को घणी सोवणी कहकर दुनिया के प्रति प्रेम प्रकट करते हैं, साथ ही भले मिनख के हेत में बावले होने की बात कहकर परस्पर विरोधाभास की स्थिति बना देते हैं। 'जीवणौ तो पड़सी रिंकी' में प्रेम विवश है तो 'सपनौ' में स्वप्न के रोमांच के साथ भागती दुनिया के विवश दिन की कहानी है। सपने के लिए 'लोहीझरांण' प्रयोग यद्यपि अनूठा है परंतु यह विशेषण बेमेल है। 'बदळाव', 'असर' 'बांण' जैसी कविताएं बदलते परिवेश और घटित होते वर्तमान के साथ आत्मबोध की तूलिका से शब्दों की उकेरन है। 'बदळाव, 'असर' 'बांण' जैसी कविताओं में अजय बदलते परिवेश और घट रहे वर्तमान के बीच के अंतर को आत्मबोध की नपनी से नापने में सफल रहे हैं।

यह काव्य संग्रह कवि का अपनी प्रेमिका 'रिंकी टेलर' से एकतरफा संवाद है। रिंकी और यह संवाद ज्ञानेंद्रपति की चेतना पारीक (ट्राम में एक याद) की याद दिलाता है। इस संवाद में रिंकी एक केवल एक श्रोता है, जो हर जगह उपस्थित रहते हुए भी भौतिक रूप से उपस्थित नहीं है। अतः इस काव्य संग्रह को प्रबंध कहना न्यायोचित नहीं है। कुछ छोटी कविताएं मुक्तक की तरह हैं। यह मुक्तक और प्रबंध से इतर कवि की अपनी शैली है जिसमें उन्होंने आत्मबोध को संवाद का माध्यम बनाया है। इस काव्य-संग्रह की कविताएं बदलते मूल्यों और चेतना को आईना दिखाती हैं। कविताओं के दृश्यों में देहात की उप संस्कृति है जो विगत हो चुकी है। राजस्थानी साहित्य जगत और पाठकों के मानस में ये कविताएं लंबे समय तक बनी रहेंगी।

**-बी.एल. सहारण**

# पेंशन का पंचनामा : ओ.पी.एस., एन.पी.एस., यू.पी.एस., ई.पी.एस.

## सरकार पेंशन देने से हाथ खड़े करने जा रही है

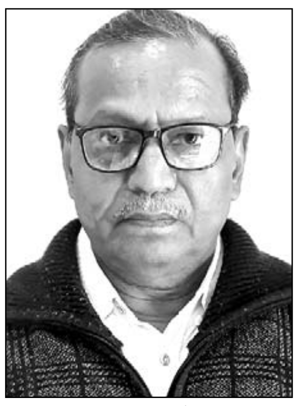

राम निवास बैरवा

11 अक्टूबर, 2025 के समाचार पत्रों में एक समाचार छपा है- JÛw बंद करने का ट्रायल, सफल रहा तो सभी विभागों में लागू होगा।

24 मार्च, 2023 को ओ.पी.एस. नामक एक योजना लागू करने का आदेश राजस्थान सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा निकाला गया था।

कई वर्षों से पी.एफ. और पेंशन के मामलों में राज्य सरकार के भी कई स्वायत्तशासी संस्थान, जिन पर ई.पी.एस. 1995 लागू है, मुझसे सलाह लेते रहे हैं। ओ.पी.एस. संबंधी आदेश के बाद कई संस्थानों ने व्यक्तिगत रूप से और लिखित में भी सलाह ली थी- उन संस्थानों का नाम लेना नहीं चाहूंगा, पर निष्कर्षों को यहां बताना चाहूंगा।

एक संस्थान में वहां के प्रशासन को देखने वाले आर.एस.एस. अधिकारी, लेखाधिकारी आदि की उपस्थिति में मैंने यह बताया था कि ओ.पी.एस. कोई योजना नहीं है। चूंकि यह केवल एक विभागीय परिपत्र है जिसमें "पेंशन के किसी भी नियम का हवाला नहीं है"। जब विभागाध्यक्ष आई.ए.एस. अधिकारी की तरफ से ओ.पी.एस. को लागू करने का दबाव देने की बात बताई तब स्पष्ट रूप से यह बात की थी कि आई.ए.एस. अधिकारी सिर्फ सरकार की नियम और आदेशनुसार काम करते हैं। उसके दूरगामी परिणामों के बारे में चर्चा करना उन्हें पसन्द नहीं है। अन्यथा, 1995 के पहले तक अन्तर्विभागीय, अन्तरसरकारी किसी भी नियम कानून के क्रियान्वयन के बारे में कोई अड़चन आने पर विभागाध्यक्ष और राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी अक्सर विचार-विमर्श करके उनका समाधान निकाला करते थे। ऐसे ही एक अन्य संस्थान ने लिखित में राय मांगी थी। तब उस लिखित सलाह में उनको साफ तौर पर कहा था- ओ.पी.एस. यानि कि पुरानी पेंशन योजना में यह पुरानी पेंशन योजना कौन सी है उक्त आदेश दिनांक 24 मार्च, 2023 में उस पुरानी पेंशन योजना का कोई हवाला नहीं दिया गया है। दूसरी तरफ, निरन्तर सेवा देने वाले कर्मचारियों की पेंशन योजना का मूल तत्व होता है- डिफाइंड कंट्रीब्यूशन के साथ डिफांइड बेनीफिट। जब कोई योजना ही डिफाइंड नहीं होगी तो डिफाइंड बेनीफिट का कोई अस्तित्व नहीं होता।

तीसरी बात यह है कि सेवारत कर्मचारियों को दीर्घकाल तक पेंशन देय होती है अतः उसके पीछे संवैधानिक समर्थन के लिए कोई कानूनी समर्थन आवश्यक है वह ओ.पी.एस. में नहीं है।

चौथा बिंदु यह है, ओ.पी.एस. संबंधी उक्त आदेश में पेंशन देने का उत्तरदायित्व संबंधित संस्थान का होगा। अगर वह अपने अस्तित्व के लिए आर्थिक समस्याओं से ही लड़ रही है तो दीर्घकाल के लिए सेवानिवृत कर्मचारियों को पेंशन कहां से मिलेगी।

चूंकि ऐसे संस्थान कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंधी अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत स्थापित कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के अन्तर्गत डिफाइंड पेंशन प्राप्त कर रहे हैं अतः एक वैधानिक समस्या यह भी है कि ई.पी.एफ.ओ. के पास जमा पी.एफ. और पेंशन राशियां उन कर्मचारियों को या उन पेंशन वितरक संस्थानों को नहीं दी जा सकती है क्योंकि ओ.पी.एस. का कथित आदेश बिना किसी वैधानिक मान्यता के है अतः कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत न तो छूट दी जा सकती है और न ही उन्हें उस अधिनियम और पेंशन योजना, 1995 से मुक्त किया जा सकता है। ऐसी दशा में यदि भविष्य निधि और पेंशन का अंशदान ई.पी.एफ.ओं. में जमा नहीं करवाया जाता है तो वह अक्षम्य चूक होगी जिसके लिए देय राशियों के निर्धारण के अलावा क्षति और ब्याज वसूल किया जाना तय है। अंतत, सरकार पेंशन देने से हाथ खड़े करने जा रही है। यह कर्मचारियों के लिए एक असमंजस की स्थिति पैदा कर चुका है।

**-राम निवास बैरवा,**
**पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त**

## तापमान में गिरावट का दौर शुरू

**बीकानेर,** (निसं)। यहां पिछले कुछ दिनों से तापमान में गिरावट का दौर जारी है। गुरुवार को भी पारा सामान्य से करीब डेढ़ डिग्री सेल्सियस कम रहा, वहीं न्यूनतम तापमान में गिरावट की गति कम है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में दो डिग्री सेल्सियस तापमान कम होने की उम्मीद जताई है। धीरे-धीरे बीकानेर सर्दी की ओर बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से कम है, जबकि रात का पारा यानी न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास ही है। न्यूनतम तापमान 1 दिन पहले 21.8 डिग्री सेल्सियस था। इसमें करीब 2 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। मौसम विभाग ने तापमान में कुछ दिनों में और कमी आने की उम्मीद जताते हुए सर्दी बढ़ने की संभावना जताई है। हालांकि बीकानेर सहित प्रदेशभर में कहीं भी बारिश की उम्मीद नहीं है। दो दिन पहले बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई थी, लेकिन शहरी क्षेत्र में बारिश का असर देखने को नहीं मिला। बीकानेर के अलावा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में भी तापमान में कम हो रहा है। चूरू में सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। वहीं हनुमानगढ़ में ओर गंगानगर में भी पिछले दिनों की तुलना में हवा में ठंडक का एहसास है। बीकानेर में 5 नवम्बर के बाद सर्दी तेज हो जाएगी।

## राशिफल शुक्रवार 24 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र शनिवार प्रातः 7:52 तक, सौभाग्य योग शनिवार प्रातः 5:54 तक, तैतिल करण दिन 12:03 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात 1:20 तक है। रवियोग प्रातः 6:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग आज सम्पूर्ण दिन-रात है। आज बुध वृश्चिक में 12:37 पर प्रवेश करेगा। आज से जमादि-उल-अव्वल मु.मास 5 आरम्भ होगा।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** चर सूर्योदय से 7:59 तक, लाभ अमृत 7:59 से 10:47 तक, शुभ 12:11 से 1:35 तक, चर 4:23 से सूर्यास्त तक।

**राहूकालः** 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 5:47

**मेष**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

**वृष**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**मिथुन**
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क**
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**सिंह**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

**वृश्चिक**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

**धनु**
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

**मकर**
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मीन**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

# सार-समाचार

## अंता में एक अभ्यर्थी का नामांकन पत्र खारिज

**जयपुर/ बारां।** अंता विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव 2025 के तहत गुरुवार को नामांकन पत्रों की संवीक्षा प्रक्रिया पूरी की गई है। कुल 21 अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए गए थे। संवीक्षा के दौरान उर्मिला जैन (आईएनसी) का नामांकन पत्र खारिज हुआ। इसके बाद अब कुल 20 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में शेष रह गए हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार नाम वापसी की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इसके बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए 11 नवम्बर को मतदान दिवस है।

## कार पलटने से मासूम की मौत

**कोटा,** (निसं)। जिला बूंदी के केशोरायपाटन थाना इलाके में गुरूवार को सड़क पर पड़े मृत कुत्ते को बचाने के प्रयास में कार असंतुलित होकर पलटने से कार में सवार तीन वर्षीय मामूस बालिका की मौत हो गई एवं हादसे में परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिये कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार कापरेन निवासी एक ही परिवार के सदस्य कापरेन से कोटा स्टेशन आने के लिये कार से निकले थे, केशोरायपाटन इलाके में कार असंतुलित होने से पलट गई। हादसे में मासूम बच्ची की मौत हो गई एवं अन्य घायल हो गये, घायलो को उपचार के लिये केशोरायपाटन अस्पताल लाया गया, जहां से घायलो को कोटा के एमबीएस अस्पताल के लिये रैफर कर भर्ती किया गया। केशोरायपाटन थानाधिकारी हंसराज मीणा ने बताया कि कापरेन निवासी मुकेश परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार लेकर कापरेन से कोटा स्टेशन आने के लिये निकले और भाईदूज के लिये कोटा स्टेशन से ट्रेन से मथुरा जाना था। थानाधिकारी ने बताया कि कोटा-दौसा-लालसौट मैगा हाईवे पर केशोरायपाटन इलाके में सड़क पर मृत कुत्ते को बचाने के प्रयास में कार असंतुलित होकर पलट गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में एक तीन वर्षीय मासूम बालिका पीहू की मौत हो गई, एवं हादसे में बच्ची के माता-पिता मुकेश और कुसुम सहित परिवार के अन्य सदस्य चाचा-चाची विष्णु- रोशनी इनकी मासूम बेटी सिद्धि, बुआ उमा और बच्चीयों की दादी प्रेमबाई घायल हो गये। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में मृतक बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

## 8 लाख की अवैध शराब की बोतले बरामद

**कोटा,** ( निसं)। ग्रामीण इलाके के कनवास पुलिस टीम ने अवैध अंग्रेजी शराब तस्करी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अवैध अंग्रेजी शराब की 144 बोतलों सहित दो अन्तर्राज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। शराब तस्कर कार के अन्दर विशेष बॉक्स बनाकर तस्करी के लिये शराब की बोतलों को लेकर जा रहे थे। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध शराब तस्करी पर रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस उपअधीक्षक वृत सांगोद बाबुलाल के सुपरविजन में कनवास थाने के उपनिरीक्षक नरेश कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एक कार को रोककर कार की तलाशी ली तो विभिन्न ब्राण्ड की 144 अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़ी गई अवैध अंग्रेजी शराब की बोतलों की अन्तर्राज्यीय बाजार में कीमत करीब आठ लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए बरामद की गई अवैध अंग्रेजी शराब की बोतलों व कार को जप्त कर दो शराब तस्कर जिला जालौर के दीगांव निवासी कमलेश (33) एवं जिला बाड़मेर के गंगुपुरा निवासी ललित कुमार (24) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये दोनों तस्करों से अनुसंधान जारी है।

## भाईदूज पर्व मनाया

**कोटा,** (निसं)। सेन्ट्रल जेल में भाईदूज का पर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच मनाया गया। जेल में बंद कैदियों से मिलने के लिये दूर-दराज इलाकों से बहनें सेन्ट्रल जेल पहुंची। भाईदूज पर्व को देखते हुए जेल प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महिला पुलिसकर्मीयों का अतिरिक्त जाप्ता लगाया गया। सुबह से ही दूर-दराज से बहनें-माताएं जेल के बाहर एकत्र होने लगी। जेल प्रशासन की ओर से महिलाओं के बैठने व पीने के पानी की व्यवस्था की गई।

# कोटा-बून्दी के हजारों परिवारों को मिलेगा स्वच्छ जल का लाभ

■ बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और विधायक संदीप शर्मा उपस्थित रहे

**कोटा,** (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कोटा स्थित कैंप कार्यालय में संसदीय क्षेत्र में चल रही और प्रस्तावित पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बिरला ने कहा कि पेयजल उपलब्धता जनजीवन की मूलभूत आवश्यकता है और विकास का आधार भी। उनका प्रयास है कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का कोई भी गांव या वार्ड जल अभाव से जूझता न रहे।

बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और विधायक संदीप शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में क्षेत्र की प्रमुख पेयजल योजनाओं जैसे अमृत 2.0, ताकली बाँध परियोजना और नवनैरा वृहद पेयजल योजना की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। बिरला ने कोटा उत्तर और कोटा दक्षिण निगम क्षेत्रों के लिए 395 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित अमृत 2.0 योजना के कार्यादेश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर कोटा शहर के लाखों परिवारों को शुद्ध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

बिरला ने बैठक में 111 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित ताकली बाँध परियोजना पर भी चर्चा की और इसके कार्यादेश शीघ्र जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि परियोजना के पूर्ण होने से रामगंजमंडी के शहरी क्षेत्र सहित आसपास के 185 गांवों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

इसके अलावा, अम्बा कुई इन्टेक वेल से एकलिंगपुरा जल संशोधन संयंत्र तक पाईपलाईन बदलने के लिए 14.50 करोड़ रुपये की परियोजना पर भी चर्चा की गयी। बिरला ने कहा कि इस कार्य से जल उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और रामगंजमंडी तथा आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और सुचारू हो सकेगी।

बैठक में बिरला ने मंत्री चौधरी से नवनेरा वृहद पेयजल परियोजना के कार्यादेश शीघ्र जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से कोटा के 384 गाँव, बूंदी के 363 गाँव तथा केशोरायपाटन, कापरेन, लाखेरी और इंदरगढ़ जैसे शहरी क्षेत्रों के हजारों लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह योजना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में स्थायी जल संकट के समाधान के लिए महत्वपूर्ण है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बैठक में बताया कि सभी प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि सभी योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाएगा, ताकि कोटा-बूंदी क्षेत्र के हर परिवार को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

# चित्रगुप्त भगवान का पूजन धूमधाम से सम्पन्न

■ अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान, कोटा द्वारा खेड़ली फाटक स्थित चित्रगुप्त मंदिर में हुआ भव्य आयोजन

**कोटा,** (निसं)। दीपोत्सव के पावन पर्व के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान, कोटा द्वारा यम द्वितीया के दिन भगवान श्री चित्रगुप्त का पूजन खेड़ली फाटक स्थित चित्रगुप्त मंदिर में बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप माथुर ने बताया कि यम द्वितीया के इस पवित्र पर्व पर समाज के चित्रांश बंधुओं ने सामूहिक रूप से भगवान श्री चित्रगुप्त का पंचामृत से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में पूजन के बाद जयकारों के साथ पूजन संपन्न हुआ कुलदीप माथुर ने जानकारी देते हुए बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को ही भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्य हुआ था। उन्हें ब्रह्माजी के चित्त (मन) से उत्पन्न माना जाता है, इसी कारण उनका नाम चित्रगुप्त हुआ, कायस्थ समाज भगवान चित्रगुप्त को अपना आदिपुरुष एवं कुल देवता मानकर विशेष श्रद्धा से उनकी आराधना करता है। माथुर ने बताया कि आज के दिन कायस्थ समाज के हर घर में भगवान चित्रगुप्त का पूजन होता है इस दौरान सभी चित्रांश बंधु कलम की पूजा विशेष रूप से करते हैं। भगवान चित्रगुप्त को मृत्यु के देवता यमराज के सचिव और सहायक के रूप में जाना जाता है। उनका कार्य पृथ्वी पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के शुभ और अशुभ कर्मों का लेखा-जोखा रखना है। मृत्यु के उपरांत व्यक्ति के कर्मों के अनुसार स्वर्ग या नरक में स्थान तय करने का कार्य चित्रगुप्त जी के द्वारा ही किया जाता है।

## बिरला ने किया सड़कों और विकास कार्यों का निरीक्षण

**कोटा,** (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कोटा शहर में सड़कों और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जाऐं, ताकि तय समयसीमा में योजनाएं पूरी हों और जनता को लाभ मिल सकें। एयरपोर्ट मार्ग का निरीक्षण करते हुए बिरला ने कहा कि यह मार्ग कोटा की नई पहचान बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को सौंदर्यीकरण, सड़क चौड़ाईकरण, हरियाली, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिऐं। उन्होंने कहा कि स्वागत द्वार का निर्माण इस तरह किया जाए कि यह शहर की सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को दर्शाए। बिरला ने कहा कि कोटा की बढ़ती जनसंख्या और विस्तार को देखते हुए भविष्य की यातायात जरूरतों के अनुसार नई सड़कों, फ्लाईओवर और पुलियाओं के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि सुगम यातायात शहर के विकास की प्राथमिक जरूरत है और इसके लिए विभागों के बीच समन्वय जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि शहर के 120 पार्कों के विकास कार्यों के आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के कार्य भी शुरू किए जाएंगे।

# विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.निमित रंजन चौधरी ने किया कार्यभार ग्रहण

■ नवीन प्रौद्योगिकी के साथ विद्यार्थियों को कौशल विकास एवं उद्यमिता से जोड़ना रहेगी प्राथमिकता - प्रो.निमित रंजन चौधरी, कुलगुरु

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो.निमित रंजन चौधरी ने प्रभारी कुलगुरु प्रो.बीपी सारस्वत से अपना कार्यभार ग्रहण किया। आरटीयू के सह-जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने 18 अक्टूबर को एक आदेश जारी कर विख्यात शिक्षाविद् प्रो.निमित रंजन चौधरी, विभागाध्यक्ष, पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा का कुलगुरु नियुक्त किया गया हैं।

प्रो.चौधरी के कोटा पहुंचने पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका स्वागत किया गया और शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं प्रदान की, प्रो.चौधरी ने शुभकामनाओं हेतु सभी का आभार व्यक्त किया। प्रो. चौधरी ने आयोजित परिचय बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों से परिचय भी प्राप्त किया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। इस अवसर पर कुलसचिव भावना शर्मा सहित विभागाध्यक्ष, अधिष्ठाता सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे। नवनियुक्त प्रो.निमित रंजन चौधरी ने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि' विश्वविद्यालय सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों के विकास एवं छात्रों की शिक्षा को रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में कार्य करेगा। विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में तकनीकी नवाचारों का क्रियान्वयन किया जाए। आरटीयू अपने विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल दोनों मोर्चों पर तैयार करेगी जिससे तकनीकी शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ शैक्षिक पारिस्थितिक तंत्र का निर्माण होगा। तकनीकी शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, यह नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक ज्ञान का संगम है। ऐसे में उनका प्रयास रहेगा कि, डिग्री का उपयोग केवल रोजगार प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के लिए भी किया जाए। विद्यार्थी प्रौद्योगिकी विकास के साथ आगे बढ़ें। उनका प्रयास रहेगा कि राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम स्तर तक ले जाया जाएं। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय ने प्राथमिकता के साथ विशेष रूप से बुनियादी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप अकादमिक विशेषताओं और विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता शामिल करते हुए विश्वविद्यालय ने अपने हितधारकों की साख और विश्वास को कायम रखा हैं। उनका प्रयास रहेगा की शोध- अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप तकनीकी शिक्षा के निहित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकें। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के हितों को सुनिश्चित करते हुए वह फैकल्टी डवलपमेंट और तकनीकी शिक्षा के शिक्षकों हेतु नवाचार-नव योजनाओं और शोध अनुसन्धान सहित विभिन्न विषयों सहित शिक्षकों के समग्र विकास पर कार्य करें।

## बदमाशों को पकड़ने गये पुलिसकर्मीयों पर चाकू से हमला

**कोटा,** (निसं)। शहर में बदमाशों के हौसले दिनों-दिन बुलंद होते जा रहे है, बदमाशों के अंदर पुलिस का भी खौफ नही रहा है। बदमाशों ने आरकेपुरम थाना इलाके में पुलिसकर्मियों पर ही चाकूबाजी कर उन्हें घायल कर दिया। हमले में घायल दोनो पुलिसकर्मीयों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार दिपावली की रात्रि को थाना इलाके में चाकूबाजी की घटना हुई थी, इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था एवं इस मामले में कुछ बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया था, जबकि शेष फरार चल रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली थी कि विवेकानंद नगर इलाके में यह बदमाश घूम रहे हैं, ऐसे में कांस्टेबल पुष्पेन्द्र सिंह व कांस्टेबल गोविंदराम मौके पर पहुंचे तो बदमाश भागने लगे, उनका पीछा किया तो उन्होंने बाईक गिरा दी, इसके बाद भी पुलिसकर्मी ने भाग कर बदमाशों का पीछा किया तो आगे पहुंचकर बदमाशों का एवं पुलिस का आमना-सामना हो गया। इस दौरान बदमाशों ने चाकू निकाल लिए और अलग-अलग चाकू से पुलिस पर हमला कर दिया है।


प्रगत संगणन विकास केंद्र
सी डैक CDAC
CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING
(इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय की प्रमुख आरएंडडी संगठन, भारत सरकार)
(A premier R&D organization of the Ministry of Electronics & Information Technology, Govt. of India) वेल्लयंबलम, तिरुवनंतपुरम, केरला, पिन-395033, फोन-0471-2723333
Vellayambalam, Thiruvananthapuram, Kerala, PIN-095033, Phone-0471-2723333

विज्ञापन सं. सीडैकति/आरसीटी/05/2025 तारीख 24/10/2025
Advt. No. : CDACT/RCT/05/2025 dated 24/10/2025

सी-डैक, तिरुवनंतपुरम में समेकित वेतन पर विभिन्न अनुबंध पदों के लिए रायपुर स्थान के लिए वॉक इन/ऑनलाइन इंटरव्यू

WALK IN/ONLINEINTERVIEW FOR RAIPUR LOCATION FOR VARIOUS CONTRACT POSITIONS ON CONSOLIDATED PAYFOR C-DAC, THIRUVANANTHAPURAM

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखे/
For more details, please visit our website www.cdac.in

CBC 06165/12/0005/2526 प्रबंधक (प्रशासन) एच आर / Manager (Admn), HR

# बिनेगा गांव में बदमाशों ने युवक की हत्या कर शव को खेत में दफनाया

## बदमाशों ने शव को जल्दी गलाने के लिए नमक भी डाला था, पुलिस ने छह दिन बाद निकलवाया शव

- पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए संदिग्धों से पूछताछ जारी है, जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा
- प्रारंभिक जांच में पुलिस को हत्या के पीछे पैसों के लेन-देन और प्रॉपर्टी विवाद की आशंका नजर आई है

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** पीलोदा थाना इलाके के बिनेगा गांव में एक युवक की हत्या कर शव खेत में दफनाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने शव को जल्दी गलाने के लिए ऊपर से नमक भी डाला था। पुलिस ने गुरुवार सुबह खुदाई कर शव को बाहर निकलवाया।

पीलोदा थानाधिकारी मानसिंह बैरवा ने बताया कि गंगापुर सिटी के समीपवर्ती गांव बिनेगा निवासी विनतोश मीणा (27) पुत्र ब्रजमोहन मीणा 17 अक्टूबर से घर से लापता था। परिजनों ने 20 अक्टूबर को पीलोदा थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पीलोदा पुलिस के द्वारा कार्रवाई नहीं करने पर परिजनों ने बुधवार को हिण्डौन-गंगापुर मार्ग को जाम कर दिया। वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हमारे द्वारा आरोपियों को पकड़कर पुलिस को सौंपने के बाद भी पुलिस ने आरोपियो से पूछताछ नहीं करने एवं हिरासत से आरोपियों को भगाने का आरोप लगाया। इसके बाद पुन: परिजनों व ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द किया और कड़ी पूछताछ कर मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 22 अक्टूबर को गोवर्धन पर्व के दिन संदेह के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। लंबी पूछताछ के बाद आरोपियों ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने विनतोश की हत्या कर शव को खेत में दफना दिया था। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए संदिग्धों से पूछताछ जारी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

**शव जल्दी गलाने के लिए नमक डाला :-** पुलिस टीम ने आरोपियों के बताए स्थान पर 23 अक्टूबर की सुबह खुदाई कर शव बरामद किया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने हत्या के बाद शव को गड्ढे में दबाकर ऊपर से नमक डाल दिया था, ताकि शव जल्दी सड़-गल जाए और किसी को शक न हो शव बरामद होने के बाद पुलिस उसे गंगापुर सिटी के सरकारी अस्पताल लाकर पोस्टमॉर्टम करवाया। बाद में मृतक के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव बिनेगा और गंगापुर सिटी के सरकारी अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को न्याय दिलाने और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थानाधिकारी मानसिंह बैरवा के अनुसार विनतोश मीणा 18 अक्टूबर से घर से लापता था। प्रारंभिक जांच में पुलिस को हत्या के पीछे पैसों के लेन-देन और प्रॉपर्टी विवाद की आशंका नजर आई है। परिजनों का कहना है कि विनतोश प्रॉपर्टी से जुड़ा काम करता था और इसी दौरान उसका कुछ लोगों से पैसों का विवाद चल रहा था।

मृतक युवक के मामा वीरेंद्र मीणा ने बताया कि विनतोश को 17 अक्टूबर को मिलने वाले ने फोन कर बुलाया था। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला तो 20 अक्टूबर को पिलोदा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दो दिन तक परिजन अपने स्तर पर ही मृतक की खोजबीन की और कई अहम सुराग लगाए। जिस पर ग्रामीणों ने मुख्य आरोपी के एक साथी को पकड़कर पीलोदा पुलिस के सुपुर्द कर दिया, लेकिन पीलोदा पुलिस की लापरवाही से आरोपी पुलिस को चकमा दे कर भाग गया। जैसे ही इस बात की सूचना ग्रामीणों को लगी तो आक्रोश फैल गया। फिर से ग्रामीणों ने आरोपियों की खोज शुरू की और पुलिस के साथ आरोपियों को भागने से पहले ही दबोच लिया।

# गांव से काम के लिये जोधपुर आई महिला से सामूहिक दुष्कर्म

- नशीला पदार्थ पिलाकर पहले दुष्कर्म, फिर सालभर तक यौनाचार किया
- पीड़िता थाने पहुंची तथा तीन युवकों को नामजद कर रिपोर्ट दर्ज कराई

**जोधपुर, (कासं)।** जिला पूर्व में एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। शादीसुदा पीड़िता गांव से जोधपुर काम की तलाश में आई थी। तब एक आरोपी ने उसे काम दिलाने के बाद होटल में दुष्कर्म किया और फिर अपने दोस्तों से भी दुष्कर्म करवाया। पांच-सात लोगों द्वारा महिला से सालभर से यौनाचार चलता रहा। आखिर परेशान पीड़िता थाने पहुंची तथा तीन युवकों को नामजद कर रिपोर्ट दर्ज कराई। अन्य को वह नहीं जानती है। एसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा इस बारे में गहन जांच की जा रही है।

उदयमंदिर थाने में महिला ने मुख्य आरोपी दलपत और उसके दो साथियों जगदीश एवं उत्तम को नामजद कर रिपोर्ट दी है।

30 वर्षीय शादीसुदा पीड़िता का आरोप है कि तकरीबन साल भर पहले वह अपने गांव से जोधपुर काम के सिलसिले में आई थी। तब दलपत से उसका संपर्क हुआ। उसने काम दिलाने का झांसा दिया फिर एक होटल पर लेकर गया। जहां नशीला पदार्थ पिलाने के बाद उससे दुष्कर्म कर फोटो व वीडियो बना लिया। इसे वायरल करने की धमकी गई और फिर वह यौनाचार करने लगा। बाद में उसने अपने परिचितों से दुष्कर्म करवाया। तीन लोगों को पीड़िता ने नामजद कर रिपोर्ट दी है, इसमें कुछ और लोग भी शामिल बताए गए हैं, जिन्होंने उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। महिला का पति बीमार रहता है। आरोप है कि नामजद लोगों ने उसे जातिसूचक शब्दों से भी अपमानित किया।

# पहले पत्नी का गला घोंटा, फिर पति ने फांसी लगाई

- बीती रात पति-पत्नी के बीच हुआ था झगड़ा, आवेश में आकर पत्नी का गला घोंटा
- पुलिस ने अब तक किसी तरह के सुसाइड नोट मिलने की पुष्टि नहीं की है

**बीकानेर, (निसं)।** यहां पूगल क्षेत्र में एक युवक और उसकी पत्नी के शव बरामद हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि पत्नी की हत्या करने के बाद पति ने सुसाइड कर लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के साथ ही एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची।

सीओ अमरजीत सिंह चावला ने बताया कि चक दो एडी निवासी मालाराम मेघवाल और उसकी पत्नी दरिया के बीच विवाद चल रहा था। इस बीच दोनों बीती रात आपस में झगड़ लिए। इस दौरान आवेश में आकर मालाराम ने पत्नी दरिया का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में खुद मालाराम ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। देर रात की इस घटना के बारे में सुबह पता चला। आसपास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद पूगल पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस ने अब तक किसी तरह के सुसाइड नोट मिलने की पुष्टि नहीं की है।

मालाराम सामान्य किसान परिवार से हैं और खेत में मजदूरी का काम करता है। दोनों का विवाह करीब बारह साल पहले हुआ था। दोनों के दो बच्चे भी है, जिसमें एक लड़का और दूसरी लड़की है। दोनों की उम्र आठ और दस साल की है। दोनों बच्चे घटना के वक्त वहीं पर थे और संभवत: सो रहे थे।

# भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने बृज भूमि गोवर्धन में जन्मदिन मनाया

## सुकन्या समृद्धि योजना के तहत कन्याओं के खाते खुलवाकर एवं उपहार देकर सतीश पूनियां ने जन्मदिन मनाया

**भरतपुर, (निसं)।** भरतपुर में राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी सतीश पूनियां अपना जन्मदिन मनाने दो दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे। इस अवसर पर भाजपा कार्यालय में पीएम मोदी की ओर से चलाए जा रहे सुकन्या समृद्धि योजना के तहत कन्याओं के खाते खुलवाकर एवं उन्हें उपहार देकर सतीश पूनियां ने अपना जन्मदिन मनाया।

इस अवसर पर भाजपा कार्यालय में आयोजित सामरोह में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के साथ पूर्व सांसद रंजिता कोली, जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, पूर्व जिलाध्यक्ष गिरधारी तिवाड़ी, सत्येंद्र गोयल, रूपेन्द्र जघिना, वीरेंद्र पचौरी, मोहन रारह सहित अनेक प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर सतीश पूनियां का स्वागत सम्मान किया गया। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि वे अपने जन्मदिन को पीएम नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से मनाते आ रहे हैं। वह हर वर्ष अपने जन्मदिन पर सामाजिक सरोकार के काम करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने जन्मदिन को प्रधानमंत्री की योजना सुकन्या समृद्धि योजना से जोड़ा है, जिसमें 0 से 14 वर्ष की बालिकाओं के खाते डाकघर

भरतपुर में सतीश पूनियां ने भाजपा कार्यालय में कन्याओं को उपहार देकर अपना जन्मदिन मनाया।

और बैंक में खुलवाए जाते हैं। इस बार जन्मदिन बृज भूमि गोवर्धन महाराज की शरण में मना रहे हैं।

सतीश पूनिया ने कहा कि प्रति वर्ष अपने जन्मदिन को पीएम नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सादगी से मनाता हूँ। उसमें हम लोग सामाजिक सरोकार के काम करते हैं। पिछले कुछ हरसे से जन्मदिन को प्रधानमंत्री की योजना सुकन्या समृद्धि योजना से जोड़ा है, जिसमें 0 से 14 वर्ष की हमारी बालिका है उनके खाते डाकघर और बैंक में खुलवाए जाते हैं। लगभग 50 हजार खाते प्रदेश में हुए हैं। हमारा लक्ष्य है अगले वर्ष तक हमारा जन्मदिन होगा हम एक लाख खाते खोल देंगे। उन्होंने कहा कि मैं इस बृज भूमि का ऋणी हूं, मेरी छात्र राजनीति में राजनीति की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हुई थी, यह बात 1983 और 84 की है। पार्टी ने मुझे सीखने समझने को दिया, इसलिए आभार जताया। मेरी भूमिका, युवा मोर्चा, पार्टी अध्यक्ष के रूप में हुई। बृज भूमि ऊर्जा और आकृषित करती है। इस बार जन्मदिन बृज भूमि गोवर्धन महाराज की शरण में मना रहा हूं।

# दो वर्षीय बालक की बस की चपेट में आने से मौत

**रायसिंहनगर, (निसं)।** करणीसर गांव में भैया दूज के दिन एक हादसे में दो वर्षीय बालक लविश कुमार की निजी बस की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। लविश अपने 60 वर्षीय दादा भूपराम के साथ घर के आंगन में खेल रहा था। उसके पिता राकेश कुमार अनूपगढ़ में टेलर का काम करते हैं और रोजाना की तरह अनूपगढ़ जाने वाली बस के ड्राइवर को खाना देने के लिए घर से रवाना हुए थे। जैसे ही बस घर के आगे रुकी, लविश अपने दादा के साथ पिता को खाना (टिफिन) देने चला गया। दादा ने जैसे ही बस ड्राइवर को खाना दिया और वापस मुड़ने लगे, उसी दौरान मासूम लविश अचानक बस के नीचे आ गया। हादसे में उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। परिजन तुरंत बालक को रायसिंहनगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

# महिला ने युवक पर रेप का आरोप लगाया

**श्रीकरणपुर, (निसं)।** एक महिला ने एक युवक पर बलात्कार के आरोप लगाए हैं। महिला के घर उनके पड़ोसी युवक का अक्सर आना जाना था।

युवक पीडिता के पति से अक्सर काम के सिलसिले में मिलने के लिए आता-जाता रहता था। युवक पीड़ित महिला को भाभी कहकर संबोधित करता था। इस दौरान एक दिन पीड़िता का मोबाइल फोन खराब हो गया। पीड़िता ने आरोपी को मोबाइल ठीक करने का कहा इसी बीच आरोपी युवक ने पीड़िता के मोबाइल में पीड़िता व उसके पति की अनैतिक फोटो व वीडियो को अपने फोन में ट्रांसफर कर लिया और पीडिता को ब्लेकमेल करने लगा।

पीड़िता ने दर्ज करवाए मामले मे बताया कि पीड़िता को उनके पति-पत्नी के फोटो वीडियो दिखाकर युवक ब्लैकमेल करने लगा। ब्लैकमेल कर कई बार युवक ने पीड़िता से बलात्कार किया और रुपए भी ऐंठ लिए इस दौरान पीड़िता का परिवार वैष्णो देवी गया हुआ था। पीछे से युवक ने परिवार की गैर मौजूदगी में पीड़िता के साथ बलात्कार किया। पीड़िता के परिवारजन जब खाटू श्याम दर्शन करने के लिए गए हुए थे तो आरोपी खाटू श्याम आ पहुंचा। पीड़िता से मोबाइल की लोकेशन मंगवा कर मौके पर पहुंचकर पीड़िता को एक होटल में ले जाने लगा। जहां परिवारजनों ने युवक का विरोध किया तो युवक वहां से भाग गया। युवक ने पीड़िता को कहा कि वह विदेश भाग जाएगा वहां जाकर वह पीड़िता की फोटो और वीडियो वायरल कर देगा। पुलिस ने पुलिस महिला की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# मजदूर का शव पानी के कुंड में मिला

## परिजनों ने अनहोनी घटना की आशंका जताई

**सादुलपुर, (निसं)।** राजगढ़ के वार्ड 40 से घर से लापता एक मजदूर का शव गुरूवार को सिद्धमुख मोड पर स्थित एक खेत में बने पानी के कुंड में मिला। परिजनों ने अनहोनी घटना की भी आशंका जाहिर की है। सूचना पर पुलिस ने शव को गौताखोर समाजसेवी नरेंद्र गगोर की सहायता से कुंड से बाहर निकलवाया।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि इस संबंध में सोनू निवासी मेघवाल मोहल्ला, वार्ड 40 ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका बड़ा भाई सीताराम मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। 22 अक्टूबर की शाम लगभग पांच बजे घर से कहीं जाने के लिए निकला था, लेकिन रात भर घर पर नहीं लौटा। गुरूवार सुबह सूचना मिली कि सिद्धमुख सड़क पर स्थित खेत में एक शव पड़ा हुआ है। सूचना पर मौके पर पहुंचे तो देखा कि शव उसके भाई सीताराम का था। दर्ज मामले में बताया कि मृतक के पास उसका मोबाइल फोन, चेकबुक और बैंक पासबुक नहीं मिले। मृतक के शव पर कोई कपड़े भी नहीं थे तथा शव और चप्पल पानी के कुंड के बाहर मिले। मृतक के परिवारजनों ने मामले में कोई अनहोनी घटना घटित होने की आशंका जताई है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया तथा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# बीच रास्ते में ट्रैक्टर को रोककर चालक पर जानलेवा हमला

## हमलावरों ने चालक को ट्रैक्टर के पहिए से कुचलने का प्रयास किया

- हमलावरों ने ट्रैक्टर चालक की मदद करने वालों को भी अंजाम भुगतने की धमकी दी

**नवलगढ़, (निसं)।** क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों को शायद कानून व पुलिस का किसी प्रकार का भय नहीं है। आमजन में इस प्रकार के अपराधियों का भय लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को नवलगढ़ के छोटा बस स्टैंड से कैलाश माहिच को उसकी ही पत्नी ने ही अपने प्रेमी द्वारा अपहरण करवाकर हाथ-पैर तोड़ने व अधमरा करके जोहड़ी में डाल जाने का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि इसी दौरान उपखंड के टोडपुरा गांव में बुधवार रात्रि को ट्रैक्टर लेकर जा रहे चालक पर जानलेवा हमला और चालक को नीचे गिराकर ट्रैक्टर के पहिए से कुचलने का

घायल का परिजनों ने अस्पताल में उपचार कराया।

मामला सामने आया है।

पीड़ित चालक के परिजनों ने बताया कि हमलावरों ने ट्रैक्टर चालक की मदद करने वालों को भी अंजाम भुगतने की धमकी दी। घायल ट्रैक्टर चालक को गंभीर अवस्था में निजी वाहन से चिराना ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सीकर रैफर कर दिया गया। मामले में पीड़ित के भाई विजयपाल पुत्र रामचंद्र निवासी धींवा की ढाणी टोडपुरा ने गोठड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है कि बुधवार रात्रि करीब 8.20 बजे मेरा भाई रामावतार पुत्र रामचंद्र ट्रैक्टर लेकर घर आ रहा था। रास्ते में भागीरथ सिंह पुत्र जसवंत सिंह व पूरण सिंह पुत्र सुगन सिंह निवासीगण टोंक छीलरी व 3-4 जने अन्य दो गाड़ियां लेकर आए। उन्होंने बीच रास्ते में ट्रैक्टर को घेरकर रामावतार के साथ धारदार व अन्य हथियारों से मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाई। मारपीट करके रामावतार को ट्रैक्टर के टायर के नीचे कुचलकर जान से मारने का प्रयास किया। रामावतार मारपीट में बेहोश हो गया तो उसे मरा समझकर उसकी जेब से 30 हजार रुपए नकद छीन लिए और रामावतार को जान से मारने की धमकी के साथ कह कर गए कि कोई भी रामावतार का सहयोग करेगा उसका भी यही हाल होगा, पुलिस वाले हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। घटना की संपूर्ण रिकॉर्डिंग पास किसी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। लोगों ने बताया कि आमजन में भय का माहौल बना हुआ है।

# बजरी भरे डंपर ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

## हादसे के बाद डंपर चालक फरार, शव को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया

**अजमेर, (कासं)।** पुष्कर हाईवे पर माकड़वाली रोड पर गुरुवार को सड़क हादसे ने प्रशासन की लापरवाही और डंपर चालकों की मनमानी को उजागर कर दिया। बजरी से भरे तेज रफ्तार डंपर ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कल्याणीपुरा निवासी लक्ष्मण गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर पुष्कर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया और डंपर को कब्जे में लिया। पुष्कर हाईवे पर लगातार डंपरों की तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। भारी वाहन चालक बिना किसी डर के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। डंपरों की रफ्तार मौत बनकर गुजरती है, जबकि प्रशासन

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

और ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई केवल कागजों में सिमटी नजर आती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर पुलिस की गश्त और नाकाबंदी का कोई प्रभावी इंतजाम नहीं है। कई बार शिकायतों के बावजूद न तो स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था की गई और न ही ओवरलोडिंग पर कोई ठोस कदम उठाया गया, जिसकी वजह से निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और हाईवे पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

# कार-बाइक की टक्कर में व्यक्ति की मौत

**पदमपुर, (निसं)।** श्रीगंगानगर के घुमड़वाली थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। यह घटना सुलेमान की हेड से रत्तेवाला 10 बीबी लिंक रोड पर हुई, जहां एक अज्ञात कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार को सिर में गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल को तुरंत श्रीगंगानगर अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बीकानेर रेफर कर दिया गया। हालांकि बीकानेर ले जाते समय घायल ने सूरतगढ़ के पास दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 40 साल के बलराज सिंह, निवासी 5 के के के रूप में हुई है। हेड कॉन्स्टेबल जयप्रकाश ने बताया कि सूरतगढ़ सीएचसी में शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

# राणा बाबा मर्डर केस का 10 माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

**श्रीगंगानगर, (निसं)।** चूनावढ़ थाने के हिस्ट्रीशीटर ढींगावाली निवासी कुलजीतसिंह उर्फ राणा बाबा की हत्या के आरोप में 10 माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी पुरानी आबादी वार्ड 13 निवासी 36 वर्षीय संदीप हुड्डा पुत्र रणवीर जाट को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी को पकड़ने में डीएसटी प्रथम टीम के कांस्टेबल निर्मल बिश्नोई, कालूराम व अश्वनी कुमार की विशेष भूमिका रही। आरोपी को जांच अधिकारी सीओ एससी/एसटी सेल विष्णु खत्री ने अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया है। आरोपी पर एसपी कार्यालय की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोपी दीपावली मनाने घर आया था। डीएसटी टीम ने सूत्रों की मदद से निगरानी करते हुए पता लगाया। आरोपी 20 अक्टूबर की शाम को चेहरा ढककर बाजार घूमने निकला था। पुलिस टीम ने पकड़ा तो छुड़वाकर भाग छूटा। पुलिस जवानों ने पीछे भागकर बड़ी मुश्किल से काबू किया और पुरानी आबादी थाने से तत्काल जाब्ता और गाड़ी मंगवाकर थाने पहुंचाया। पुलिस टीम ने बताया कि इस दौरान आरोपी के परिजनों ने उसको छुड़वाकर भगाने के भी असफल प्रयास किए।

जानकारी के अनुसार पिछले साल के आखिरी महीने की 19 तारीख की रात एक बजे के करीब कुलजीत उर्फ राणा बाबा पर हमला हुआ था। इसमें 11 नामजद ने तलवारों, रॉड से राणा बाबा को 18 जगह से बुरी तरह काट दिया था। उसकी इलाज के दौरान हमले के तीन घंटे बाद ही मौत हो गई थी। राणा बाबा के भाई की ओर से यह मुकदमा पुरानी आबादी थाने में दर्ज करवाया। जांच अधिकारी आरपीएस विष्णु खत्री ने बताया कि वारदात के पांचवें दिन हमले के आरोपी अनूपगढ़ निवासी गौरव चूचरा, मोहनपुरा निवासी जश्नप्रीत बराड़, पुरानी आबादी निवासी बब्बू भाट, मियों की ढाणी निवासी सलीम उर्फ मलकिया, इमरान व कासम अली को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी हमजोतसिंह को हमले के करीब दो माह बाद गिरफ्तार किया गया। अब 10 माह बाद संदीप हुड्डा को गिरफ्तार किया गया है।

जांच अधिकारी सीओ एससी/एसटी विष्णु खत्री ने बताया कि कुलजीतसिंह उर्फ राणा बाबा की हत्या की साजिश ठाकरां वाली निवासी गुरजीतसिंह उर्फ सरपंच ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी। वह तथा गुरुसर मोडिया निवासी रमनदीप उर्फ रमन और गुरुनानक बस्ती निवासी संदीप उर्फ आधार कार्ड इस हत्याकांड में अभी फरार चल रहे हैं। इन तीनों पर भी 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित है।

# रीको ने सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में किया फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स का निर्माण

## यहां सुक्ष्म उद्यमियों को 18 रुपये प्रति वर्ग फिट की दर पर आवंटन होगा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा में रीको प्रशासन ने 4167 वर्गमीटर पर फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स ( प्लग एंड प्ले) का निर्माण किया गया है। रीको की राज्य में यह इस तरह की पहली परियोजना है, जिसमें उद्यिमयों को लाइसेंस फीस पर मॉड्यूल्स का ऑनलाइन आवंटन होगा जिसका मुख्य उद्देश्य उद्यिमयों को शीघ्र इकाई की स्थापना के लिये रेडी-टू-मूव मॉडयूल्स उपलब्ध कराना है। इस योजना की अनुमानित लागत रूपये 25 करोड़ में से भारत सरकार द्वारा एमएसई-सीडीपी योजना के अन्तर्गत कुल 10.23 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया गया।

इस फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स में मॉड्यूल के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यालय, बैंक, प्रशिक्षण कक्ष, सभा कक्ष एवं कैंटीन, मालवाहक तथा यात्री लिफ्ट इत्यादि की सुविधाओं का निर्माण भी किया गया है। इस बिल्डिंग में कुल 33 मॉड्यूल (भूतल-3, प्रथम-10, द्वितीय-10 एवं तृतीय-10) का निर्मित किये गये है, जिनमें सभी में पेन्ट्री की सुविधा हेतु निर्मित क्षेत्रफल भी बनाया गया है।

रीको द्वारा फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स में रेडी-टू-मूव मॉडयूल्स सुविधा के अंतर्गत सूक्ष्म उद्योगों, जिनका टर्नओवर 5 करोड़ से अधिक ना हो, को गारमेन्ट एण्ड अपैरल उद्योग के लिए विभिन्न क्षेत्रफल 1236 से 1566 वर्गफीट का बिल्टअप स्पेस उपलब्ध करवाया जायेगा, जिससे वे अपना उद्योग तत्काल शुरू कर सकेंगे।

रीको प्रशासन द्वारा जयपुर के सीतापुरा में बनाया गया फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स।

इस कॉम्पलेक्स में सूक्ष्म उद्यमियों को (जिनका टर्नओवर 5 करोड़ से अधिक ना हो ) को 18 रु. प्रति वर्गफीट से लाइसेंस फीस के आधार पर मॉड्यूल्स को ई-बिडिंग के माध्यम से प्राप्त दरों पर लाईसेंस आधार पर 1 से 7 वर्ष की अवधि के लिये आवंटित किया जावेगा। इसके लिए रीको द्वारा पृथक से एक पोर्टल बनाया गया है, जिसे 24 अक्टूबर 2025 से प्रारम्भ किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से इच्छुक उद्यमी 24 अक्टूबर से 3 नवंबर को सायं 6 बजे तक ईएमडी राशि जमा करवाकर 4 नवंबर 2025 को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक ई-बिडिंग में भाग लेकर रेडी-टू-मूव मॉड्यूल प्राप्त कर सकते है।

- 4167 वर्गमीटर में बने इस कॉम्पलेक्स में उद्यिमयों को लाइसेंस फीस पर होगा मॉड्यूल्स का आवंटन
- 24 अक्टूबर से रीको ऑनलाइन पॉर्टल पर आवेदन आमंत्रित

प्रथम चरण में प्रथम तल से तृतीय तल पर निर्मित कुल 30 मॉड्यूल्स का लाईसेंस आधार पर गारमेन्ट एण्ड अपैरल उद्योग के उद्यिमयों को आवंटन किया जाना प्रस्तावित है। इन 30 मॉड्यूल्स में से 6 मॉड्यूल्स विभिन्न श्रेणी जैसे: महिला, अनुसूचित जाति/जन जाति, भूतपूर्व सैनिक, विशेष योग्यजन के लिये आरक्षित हैं। इस योजना के तहत मॉड्यूल्स के आवंटन से संबंधित नियम एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्टेशन से संबंधित जानकारी रीको की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आवेदकों की सुविधा के लिए रीको प्रशासन ने हैल्पलाइन नंबर 0141-4593250 तथा रीको सीतापुरा इकाई कार्यालय के फोन नंबर 0141-2770208 भी जारी किए हैं।

# स्व. भैरो सिंह शेखावत ने राष्ट्रवाद की भावना से देश-प्रदेश को मजबूत किया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विद्याधर नगर स्थित स्मृति स्थल पहुंचकर पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरों सिंह शेखावत की जयंती पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

**जयपुर** (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विद्याधर नगर स्थित स्मृति स्थल पहुंचकर पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरों सिंह शेखावत की जयंती पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि स्व. शेखावत ने राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत होकर देश व प्रदेश की मजबूती और जनसेवा के माध्यम से गरीब के उत्थान का कार्य किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित होकर राजस्थान में अंत्योदय योजना के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सहारा देकर आगे बढ़ाने का काम किया था। साथ ही, महात्मा गांधी एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को भी आगे बढ़ाया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य, नगर निगम ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर मौजूद रहे।

# बिडला ऑडिटोरियम में कविता कृष्णमूर्ति नाइट 25 अक्टूबर को

## इस कार्यक्रम में प्रख्यात वायलिन वादक पद्मविभूषण डॉ. एल सुब्रमण्यम को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा जाएगा

**जयपुर** । सृजन द स्पार्क जयपुर चैप्टर की ओर से शनिवार की शाम बिड़ला ऑडिटोरियम में कविता कृष्णमूर्ति नाइट का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर प्रसिद्ध वायलिन वादक पद्मिविभूषण से सम्मानित डॉ. एल सुब्रमण्यम को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया जाएगा । कविता कृष्णमूर्ति के साथ को-सिंगर चेतन राणा और जयपुर की युवा प्रतिभाएं उद्धव खंडेलवाल, हिमांगी छाबड़ा और हीरेन की ओर से संगीतमय प्रस्तुति का अवसर दिया जाएगा ।

सृजन द स्पार्क जयपुर चैप्टर के चेयरमैन राजेश नवलखा, अध्यक्ष सुरेश ढढ्डा, सचिव राजीव नागौरी ने बताया कि सृजन -द स्पार्क एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सांगीतिक और सांस्कृतिक संगठन है, जिसके संस्थापक मुख्य संरक्षक पूर्व आईपीएस प्रसन्न खमेसरा हैं। इस संस्था के संरक्षक बनने का गौरव देश के कई प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कलाकारों को प्राप्त हुआ है, जिनमें भजन सम्राट अनूप जलोटा, गजल सम्राट स्व

राजकुमार रिज़वी, उस्ताद अहमद हुसैन - उस्ताद मोहम्मद हुसैन, बांसुरी वादक रोनू मजूमदार, मशहूर पर्कशनिस्ट अनंदम शिवमणि, कवि एवं 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम शैलेश लोढ़ा के नाम शामिल हैं। सृजन द स्पार्क जयपुर चैप्टर की ओर से भारत के ख्याति प्राप्त संगीतज्ञों एवं गायकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया जाता है, जिसमें नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह शामिल है। यह पुरस्कार अब तक भजन सम्राट अनूप जलोटा, गायक मनहर उधास, बांसुरी वादक रोनू मजूमदार,पद्मभूषण विश्व मोहन भट्ट आदि को दिया जा चुका है ।

पिछले 11 वर्षों में उदयपुर के साथ जयपुर, हैदराबाद, दिल्ली, जोधपुर, झुंझुनूं, राजकोट, अहमदाबाद, चेन्नई, भीलवाड़ा और कोटा जैसे शहरों में चैप्टर स्थापित हो चुके हैं।

संस्था ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यूके, कनाडा और अमेरिका में तीन चैप्टर स्थापित किए हैं, जो कि किसी भी भारतीय सांस्कृतिक संगठन के लिए एक मील का पत्थर है। सृजन - द स्पार्क अब तक लगभग 400 फेसबुक लाइव शो का आयोजन भी कर चुका है, जिसमें विश्व भर के नामचीन कलाकारों के साथ-साथ कई उभरते हुए भारतीय एवं विदेशी कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। सृजन का उद्देश्य सदैव भारतीय संगीत और संस्कृति को विश्व मंच पर पहुँचाना रहा है और यह यात्रा अनवरत जारी है।

# विवादित प्लॉट की नीलामी पर रोक, जवाब मांगा

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सफल आवंटी को भूखंड आवंटित करने के बजाए उसकी वापस नीलामी निकालने के मामले में विवादित प्लॉट की नीलामी प्रक्रिया पूरी करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव, निदेशक स्वायत्त शासन और दौसा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन से जवाब तलब किया है। जस्टिस संजीत पुरोहित की एकलपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र कुमार मीणा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता स्वप्निल सिंह पटेल दौसा म्युनिसिपल कार्पोरेशन ने जमीन की नीलामी के लिए फरवरी, 2024 में विज्ञापन जारी किया था। नीलामी में याचिकाकर्ता को एक भूखंड का सर्वाधिक बोलीदाता घोषित किया गया, लेकिन उसे भूखंड आवंटित करने से इनकार कर दिया गया। इस पर उसने स्थाई लोक अदालत में परिवाद पेश किया। स्थाई लोक अदालत ने गत 16 सितंबर को म्यूनिसिपल कार्पोरेशन को आदेश दिया कि वह याचिकाकर्ता के पक्ष में डिमांड और आवंटन पत्र जारी करे। याचिका में कहा गया कि इसके बावजूद भी उसे भूखंड आवंटित करने के बजाए गत दिनों दूसरी नीलामी निकाल दी गई और उसमें याचिकाकर्ता को आवंटित किए जाने वाले भूखंड को भी शामिल कर लिया। याचिका में गुहार की गई कि उसे संबंधित भूखंड आवंटित किया जाए और नई नीलामी पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित भूखंड की नीलामी प्रक्रिया पूरी करने पर रोक लगाई है।

# साइबर अपराध और नशे की तस्करी पर सख्त कार्रवाई करेंगे : सचिन मित्तल

## 'महिला सुरक्षा के लिए और ज्यादा प्रभावी कदम उठाएगी जयपुर पुलिस'

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** जयपुर पुलिस के मुखिया और 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी सचिन मित्तल ने साइबर अपराध,संगठित अपराध सहित नशे की तस्करी करने वालों पर प्रभावी रूप से लगाम लगाने पर प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा महिला सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने अपील की है कि जनता पुलिस को अपना मित्र समझें।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि राजधानी जयपुर के लिए सरकार और पुलिस मुख्यालय ने जो प्राथमिकता तय की है। उन पर मजबूती से काम किया जाएगा। उनका कहना है कि आज के दौर में साइबर अपराध पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है। साइबर अपराधी लगातार तकनीक और तरकीब बदल रहे हैं। उनसे निपटने के लिए नई तकनीक और संसाधनों को अपग्रेड करने की आवश्यकता है।

मित्तल का कहना है कि इसके लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भी भेजा है। जिस पर जल्दी ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। तब तक जो भी मौजूदा संसाधन और तकनीक है, उसका भरपूर उपयोग कर साइबर अपराध पर साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसा

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल

जाएगा। संगठित अपराध से निपटने को लेकर भी उन्होंने प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा संगठित अपराध को काबू करने के लिए सरकार ने अलग से एक पोस्ट क्रिएट की है। इस पर अधिकारी की नियुक्ति भी हुई है। यह यूनिट खासतौर पर संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए काम करेगी। उनके साथ टीमवर्क और सामंजस्य के साथ काम करते हुए संगठित अपराध पर काबू पाया जाएगा।

नशे की तस्करी पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में ऑपेरशन क्लीन स्वीप चलाया जा रहा है। यह अभियान काफी सफल रहा है। इसे आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि नशे की प्रवृत्ति और नशे की तस्करी पर अंकुश लगाया जा सके। नए आपराधिक कानूनों में महिलाओं की सुरक्षा और महिला अपराधों को लेकर खासतौर पर प्रावधान किए गए हैं। ऐसे मामलों में त्वरित अनुसंधान के लिए समय सीमा भी तय की गई है। कानूनों में जो समय सीमा है, उसमें अनुसंधान पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस मुख्यालय की जो योजनाएं और अभियान हैं, उन पर मजबूती से फोकस किया जाएगा।

- मित्तल शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कमान संभालेंगे

उन्होंने पुलिस और आमजन के बीच संवाद को बेहतर बनाने पर जोर दिया और आमजन से अपील की कि पुलिस को अपना मित्र समझें। साथ ही कहा कि आमजन की पुलिस से जो अपेक्षाएं हैं। उन पर पूरी तरह से खरा उतरने का भी प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी अपील की है कि अपराध और अपराधियों से जुड़ी जानकारी पुलिस तक पहुंचाई जाए, ताकि समय पर एक्शन लिया जा सके।

गौरतलब है कि आईपीएस अधिकारी सचिन मित्तल 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और इनके पास बीई व एमटेक की डिग्री है। इसके अलावा हाल ही तक वह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पर्सनल/कार्मिक) के पद पर तैनात थे। मित्तल ने एडीजी साइबर क्राइम के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने साइबर अपराधियों के खिलाफ कई बड़ी मुहिम चलाई। जिससे साइबर अपराध पर काबू पाया गया। इसके अलावा मित्तल पुलिस भर्ती और पदोन्नित बोर्ड के एडीजी भी रह चुके हैं। ज्ञात रहे कि सचिन मित्तल ने भरतपुर, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, झालावाड़ और डूंगरपुर जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवाएं दी हैं। डीआईजी एटीएस के पद पर और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के कमिश्नर के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। लंबे समय तक उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो में भी सेवाएं दी हैं। अनुशासनप्रिय और फील्ड में मजबूत पकड़ वाले अफसर मित्तल शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कमान संभालेंगे। जहां उन्हें कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मामलों को संभालना होगा।

# 'पैसे और विलासिता के लालच में संपन्न और शिक्षित युवा बन रहे हैं ड्रग कूरियर'

**जयपुर** । राजस्थान हाईकोर्ट ने ड्रग तस्करों की ओर से शिक्षित और संपन्न परिवार के युवाओं के जरिए ड्रग कूरियर पर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि ड्रग सिंडिकेट अब शिक्षित संपन्न परिवार के शिक्षित युवाओं के जरिए मादक पदार्थो की तस्करी करा रहे हैं। आम तौर पर ऐसे युवाओं पर प्रवर्तन एजेंसियों की ओर से शक करने की संभावना कम होती है, जिससे वे ड्रग सिंडिकेट की नजर में आदर्श ड्रग कूरियर बन जाते हैं। अदालत ने मामले में 18 किलोग्राम मादक पदार्थ हाइड्रोपोनिक वीड के साथ जयपुर एयरपोर्ट पर पकडे गए करण मेहरा की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि ड्रग सिंडिकेट ऐसे युवाओं से जानबूझकर वाणिज्यिक मात्रा से थोडी कम मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी कराते हैं, ताकि उन पर एनडीपीएस एक्ट के कठोर प्रावधान लागू नहीं हो सके। जस्टिस अनिल कुमार उपमन ने अपने आदेश में कहा कि ड्रग माफिया ऐसे युवाओं की नासमझी और जल्दी धन कमाने की चाहत का फायदा उठाते हैं, जिससे युवाओं को न केवल इसकी लत लगती है, बल्कि वे एक बडे आपराधिक तंत्र का हिस्सा बन जाते हैं।

जमानत याचिका में कहा गया कि एफएसएल रिपोर्ट के अनुसार जब्त किया गया नमूना गांजा का है और वह याचिकाकर्ता से वाणिज्यिक मात्रा से कम मात्रा में बरामद हुआ है। इसके अलावा प्रकरण में आरोप पत्र पेश हो चुका है। इसलिए उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार के वकील सीएस सिन्हा ने कहा कि बरामद ड्रग सामान्य गांजा न होकर अत्यधिक खतरनाक हाइड्रोपोनिक वीड है। जिसे विदेशों में विशेष परिस्थितियों में उगाया जाता है। इसकी बाजार में कीमत करीब 18 करोड रुपए है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा नहीं किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

# पुतला आंदोलन जयपुर से पहुंचा टोंक

**जयपुर।** आवास विहीन तथा पट्टा विहीन नागरिकों का संघर्ष पुतला आंदोलन के रूप में आगे बढ़ रहा है। ज्ञातव्य रहे की चार माह पूर्व जयपुर जिले के माधोराजपुरा पंचायत समिति के सामने भारत जोड़ो मिशन सोसायटी के नेतृत्व में लगभग 150 उन सरपंचों के पुतले लगाए गए हैं, जिन्होने सरकार के आदेश के बावजूद नागरिकों को पट्टे उपलब्ध नहीं करवाये।

भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के अध्यक्ष अनीष कुमार नाडार ने बताया कि बीजेपी सरकार ने घुमंतू अर्ध घुमंतु तथा विमुक्त एवं गरीब नागरिकों को पट्टे देने के आदेश दिये हैं । परंतु स्थानीय स्तर पर कांग्रेस पार्टी से जुड़े कुछ सरपंच बीजेपी सरकार के मंसूबों को पानी फेरना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें दलित एवं गरीब नागरिकों के वोट बैंक के खिसकने का डर हैं। भारत जोड़ो मिशन सोसायटी विगत 5 वर्ष से लगातार स्थानीय नागरिकों को स्थायी आवास दिलाने के लिए संघर्ष कर रहा हैं। इस संघर्ष के तहत पुतला आंदोलन आगे बढ़ रहा है। टोंक जिले के लंबा हरी सिंह में लगभग एक दर्जन से अधिक पट्टा विहीन नागरिकों ने पुतला आंदोलन में शामिल होकर अपने ग्राम पंचायत में पुतला लगाना शुरू कर दिया हैं। इन पुतलों के जरिए सरपंचों के चुनाव के दौरान नागरिकों के काम नहीं करने वाले सरपंचों को दोबारा नहीं जिताने की अपील की जाएगी । पुतले राजस्थान के सभी जिलों में लगेंगे तथा यह आंदोलन सफल होकर रहेगा।

# वादी-ए-हुसैन करबला मैदान में होगा सुन्नी इज्तेमा

## एस.डी.आई. टीम को जिम्मेदारियां सौंपी, तैयारियों को अंतिम रूप दिया

**जयपुर** (कासं)। सुन्नी दावते इस्लामी जयपुर की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले एक दिवसीय तृतीय सुन्नी इज्तेमा (अधिवेशन) की तैयारियों को लेकर विभिन्न टीमों का गठन किया गया।

वादी-ए-हुसैन, करबला मैदान में आयोजित होने वाले इस इज्तेमा की तैयारियों का जिम्मेदारों ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इसी सिलसिले में विभिन्न जिम्मेदारों ने शहर व आसपास के इलाकों में विजिट कर लोगों को अधिकाधिक संख्या में इज्तेमा में आने का आव्हान किया। एसडीआई की टीम ने विभिन्न कार्यकर्ताओं की अलग-अलग मीटिंग लेकर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी साहब ने एसडीआई की विभिन्न टीमों को अलग-अलग जिम्मेदारियां देकर जरूरी हिदायत दी।

कार्यक्रम संयोजक नायाब खान ने बताया कि सुन्नी दावते इस्लामी जयपुर की ओर से एक दिवसीय सुन्नी इज्तेमा (अधिवेशन) 26 अक्टूबर, रविवार को वादी-ए-हुसैन करबला मैदान, जयपुर में सुबह 10 बजे से देर रात 12 तक आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान अलग-अलग सेशन होंगे। जिसमें विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। वहीं महिलाओं के बैठने की व्यवस्थाएं अलग से होगी। शहर जयपुर मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब व कारी एहतराम आलम अजीजी की जेरे सरपरस्ती, हजरत मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी साहब की जेरे निगरानी, मौलाना हनीफ खान रिजवी की जेरे कयादत एवं हजरत मौलाना हफीजुल्लाह बख्शी अशरफी की जेरे हिमायत, सैयद सुल्तान उल हुसैन चिश्ती की जेरे सियादत, मौलाना शाकिर अली नूरी मुख्य वक्ता, मुफ्ती निजामुद्दीन मिस्बाही तफहीम मसाइल व खिताब एवं हजरत मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी साहब वक्ता के रूप में इज्तेमा (अधिवेशन) में शामिल होंगे।

- सुन्नी दावते इस्लामी के तृतीय अधिवेशन में करीब 50 से 60 हजार की संख्या में जुटेंगे अकीदतमंद

कार्यक्रम संयोजक नायाब खान ने बताया कि अधिवेशन में 50 से 60 हजार लोगों के आने की संभावना है। इज्तेमा में मौलाना सलीम अकबरी, हाफिज कारी मोइनुद्दीन रिजवी, हफिज मोहम्मद अमीन रिजवी, हजरत सादिक रिजवी सहित अन्य कई इस्लामिक स्कॉलर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

इस दौरान मुंबई से आए मौलाना मोहम्मद युनुस, हाजी अब्दुल हामीद बैग, सैयद अकील कादरी, कारी अहतराम आलम, अकील नूरी आदि उपस्थित रहे।

# ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की वैक्स प्रतिमा का अनावरण

## उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नाहरगढ़ स्थित जयपुर वैक्स म्यूज़ियम में अपने पिता की वैक्स प्रतिमा का लोकार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** राजस्थान की वीर भूमि ने आज एक इतिहास रच कर नाहरगढ़ स्थित जयपुर वैक्स म्यूजियम में महावीर चक्र से सम्मानित ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की वैक्स प्रतिमा का भव्य अनावरण किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने अपने पिता की वैक्स प्रतिमा का लोकार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह अनावरण समारोह महाराजा भवानी सिंह की जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिससे यह दिन और भी भावनात्मक और गौरवपूर्ण बन गया।

कार्यक्रम के दौरान जयपुर वैक्स म्यूजियम के फाउंडर डायरेक्टर, अनूप श्रीवास्तव ने कहा कि यह क्षण केवल म्यूज़ियम ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राजस्थान के लिए गौरव का विषय है। भवानी सिंह जैसे साहसी, देशभक्त और प्रेरक व्यक्तित्व की प्रतिमा यहां

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नाहरगढ़ स्थित जयपुर वैक्स म्यूजियम में अपने पिता महावीर चक्र से सम्मानित ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की वैक्स प्रतिमा का भव्य अनावरण किया।

स्थापित होना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। इस अवसर पर ब्रिगेडियर भवानी सिंह के जीवन और वीरता पर आधारित एक आठ मिनट की विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे देखकर उपस्थित सभी अतिथि भावुक हो उठे। कार्यक्रम में जयपुर राजघराने से जुड़े परिजन, सेना के पूर्व अधिकारी, म्यूज़ियम टीम और शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जयपुर वैक्स म्यूज़ियम के रॉयल दरबार सेक्शन में स्थापित यह वैक्स फिगर भवानी सिंह के शौर्य, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक है। उनके इस प्रतिरूप को तैयार करने से पहले कलाकारों ने महीनों तक गहन रिसर्च की और क्ले फेस का फर्स्ट लुक अप्रैल में उनकी पुण्यतिथि पर जारी किया गया था।

- उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, ''यह क्षण मेरे लिए अत्यंत गर्व और भावनाओं से भरा है। यह प्रतिमा जयपुर आने वाले हर व्यक्ति को राष्ट्र सेवा और साहस का संदेश देगी।''

अनूप श्रीवास्तव ने आगे बताया कि जयपुर वैक्स म्यूजियम में फिल्मी सितारों की बजाय राजस्थान के ऐतिहासिक नायकों और वीर सपूतों को स्थान देना हमारी प्राथमिकता रही है। म्यूज़ियम में पहले से ही महाराणा प्रताप, सवाई जय सिंह द्वितीय, सवाई माधो सिंह द्वितीय, महारानी गायत्री देवी जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की वैक्स प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं, और अब भवानी सिंह का सम्मिलन इसे और समृद्ध करता है।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपने पिता ब्रिगेडियर भवानी सिंह को नमन करते हुए कहा कि, ''यह क्षण मेरे लिए अत्यंत गर्व और भावनाओं से भरा है। ब्रिगेडियर भवानी सिंह केवल हमारे परिवार के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के गौरव थे। उनकी प्रतिमा जयपुर आने वाले हर व्यक्ति को राष्ट्र सेवा और साहस का संदेश देगी।''

# अजमेर : ऑटो पार्ट्स की दुकान में आग लगने से लाखों का माल जला

## आग इतनी भीषण थी कि दुकान के शटर को जेसीबी की मदद से तोड़ना पड़ा

**अजमेर, (कासं)।** अजमेर के वैशाली नगर स्थित स्टीफन चौराहा पर गुरुवार अलसुबह एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची, तीन दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दुकान मालिक अभिनव वर्मा के अनुसार सुबह करीब 5:45 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग इतनी भीषण थी कि दुकान के शटर को जेसीबी की मदद से तोडना पड़ा, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पा सकी। दुकान में बड़ी मात्रा में ऑयल और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैली और देखते ही देखते पूरा सामान जलकर राख हो गया। आसपास रिहायशी इलाका होने के कारण लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस ने एहतियातन 108 एंबुलेंस को भी मौके पर बुला लिया।

ऑटो पार्ट्स की दुकान में लगी आग से लाखों का सामान जल गया।

- दुकान में बड़ी मात्रा में ऑयल और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने से आग तेजी से फैल गई थी

**जमादार ने दी पुलिस को सूचना :-** नगर निगम के जमादार ने सबसे पहले आग की सूचना थाने को दी थी, जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया। हालांकि तब तक ऑटो पार्ट्स की दुकान का सारा माल जल चुका था। नुकसान की राशि लाखों में आंकी जा रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक और तकनीकी टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है।

# जमीन विवाद में खेत में सो रहे बुजुर्ग की निर्मम हत्या

- दो वाहनों में सवार होकर आए लोगों ने लाठी और गंडासी से हमला किया
- बताया जा रहा है कि जमीन में खाले की बात को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था

**सूरतगढ़, (निसं)।** क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर खेत में बनी ढाणी में सोए हुए एक बुजुर्ग की आधी रात को लाठियों और गंडासी से हमला कर निर्मम हत्या कर दी। मृतक सुल्तानराम कूकणा सूरतगढ़ में पितरजी मंदिर के समीप का निवासी था। सूचना मिलने के बाद डीएसपी प्रतीक मील सहित सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। वहीं, मृतक के शव को राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया, जहां गुरूवार दोपहर बाद पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों के सुपुर्द किया गया।

थानाधिकारी दिनेश सारण ने बताया कि इसे लेकर मृतक के भांजे कुलदीप कुमार पुत्र पृथ्वीराज, निवासी वार्ड नं. 5 की ओर से आठ नामजद सहित दो-तीन अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया गया है। एफआईआर में कुलदीप ने उल्लेख किया है कि उसका मामा सुल्तान राम कूकणा (60) पुत्र दौलत राम तथा मामी दुर्गा देवी दोनों बुधवार को भोजेवाला रोड़ पर स्थित चक 1 केएसपीएम स्थित खेत गए थे, जहां नरमा चुगाई का कार्य चल रहा था। शाम को देरी होने पर दोनों खेत में ही बनी ढाणी में रुक गए। रात करीब 12:45 बजे खेत पड़ोसी बलवीर स्वामी ने उसे फोन करके बताया कि उसके मामा के खेत में कुछ लोग घुस आए हैं और झगड़ा कर रहे हैं। वह तुरंत घर पड़ोसी रामलाल भादू के साथ बाइक पर सवार होकर खेत में बनी ढाणी पर पहुंचा तो उसका मामा सुल्तान राम लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा था तथा मामी दुर्गा जोर-जोर से चिल्ला रही थी। पूछने पर बताया कि रोहिताश और रवि पुत्र मोहनलाल जाट, निवासी प्रेमपुरा, जिनके साथ उनका जमीनी विवाद चल रहा है, वे लोग अन्य जनों के साथ लाठी, गंडासी और कुल्हाड़ी से लैस होकर आए और कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए तथा उनके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर पास ही स्थित ढाणी की काश्तकार महिला सीमा दौड़कर आई तो वह भी गिरकर चोटिल हो गई। इस बीच आरोपियों ने सुलतान राम के सिर में गंडासी मारी जिससे वह जमीन पर अचेत होकर गिर गए। आरोपी सुल्तान राम को मरा हुआ समझकर मौके से भाग गए।

एफआईआर में कुलदीप ने बताया है कि जमीन में खाले की बात को लेकर उनका पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसे लेकर पहले भी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दे रखी थी। एफआईआर में रोहिताश और रवि पुत्र मोहनलाल निवासी प्रेमपुरा, युधिष्ठिर पुत्र आनंद स्वरूप निवासी ढाबा, लालचंद निवासी श्रीगंगानगर, रामकुमार निवासी सोमासर, ओम प्रकाश निवासी सोमासर, सुनील नायक निवासी सोमासर, शिव प्रकाश तथा दो-तीन अन्य पर हत्या का आरोप लगाया गया है। हमले का षड्यंत्र रोहिताश और शिवकुमार पर रचने की बात कही गई है। फिलहाल इसे लेकर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच सब इंस्पेक्टर दिलीप सिंह को सौंपी गई है।

सीआई दिनेश सारण ने बताया कि गुरुवार दोपहर को एफएसएल की टीम भी जिला मुख्यालय से यहां पहुंची, जिन्होंने घटना स्थल पर पहुंचकर वारदात के तौर तरीके और अन्य साक्ष्य जुटाए। वहीं, उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में शामिल नामजद आरोपियों में से चार को राउंडअप कर लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही परिचितों सहित समाज के लोगों की सिटी पुलिस थाना और अस्पताल में मोर्चरी के बाहर भीड़ जुड़ गई। इनमें पूर्व विधायक राजेंद्र भादू, कांग्रेस नेता बलराम वर्मा, राजाराम गोदारा, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल डेलू, भाजपा नेता संदीप कासनिया, सोहन थोरी, पृथ्वी थोरी, संजय थोरी, हेमराज भादू सहित अनेक लोग पोस्टमार्टम होने तक मौजूद रहे। जानकारी में सामने आया कि मृतक सुल्तान राम के दो पुत्र हैं। इनमें एक सीआईएसफ में कमांडेंट है, जो अजमेर में, दूसरा सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर अहमदाबाद में ड्यूटी कर रहे हैं। एक पुत्री भी है, जो सरकारी टीचर है। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के पुत्रों को जानकारी दी, जिनके गुरुवार दोपहर यहां पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

# खंडहरनुमा मकान से 5400 लीटर बायोकेमिकल जब्त

**सादुलपुर, (निसं)।** राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर रात के अंधेरे में भारी ज्वलनशील बायोकेमिकल चोरी का अवैध धंधा लगातार पुलिस प्रयासों के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। अनेकों बार पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर दबिश देकर लाखों की लागत केमिकल बरामद कर चुकी है, अनेक आरोपियों के खिलाफ मामले भी दर्ज हैं। फिर भी बिना किसी डर और भय कि लोग केमिकल चोरी का धंधा जारी रखे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार पुलिस की ओर से क्षेत्र में अपराध और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए गठित (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स) टीम ने आईपीएस अधिकारी अभिजित पाटील के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित गांव लुटाना के पास एक खंडहरनुमा मकान में दबिश देकर 5400 लीटर भारी ज्वलशील बायोकेमिकल बरामद करने की कार्रवाई की है। आईपीएस अधिकारी अभिजित पाटील ने बताया कि कार्रवाई में टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि खंडहर में संदिग्ध केमिकल ड्रमों में भरकर रखा गया है। सूचना के आधार पर एजिटीएफ टीम ने मौके पर दबिश दी और 28 ड्रमों में भरा हुआ कुल 5400 लीटर ज्वलशील बायोकेमिकल बरामद किया। पुलिस ने मौके से नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। पुलिस टीम द्वारा जब्त किए गए ड्रमों को सुरक्षित रख लिया गया है और पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मामले में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तार किया जायेगा।

# कुएं से मिला लापता युवती का शव

**भीलवाड़ा, (निसं)।** जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के अटाली गांव में एक कुएं से पांच दिन से लापता 19 वर्षीय युवती मनसा भाटी का शव तैरता हुआ मिला है। मनसा भाटी, पुत्री जयसिंह, गत 19 अक्टूबर से लापता थी, जिसकी गुमशुदगी की प्राथमिक रिपोर्ट परिजनों ने शंभूगढ़ थाने में दर्ज कराई थी।

मनसा भाटी का शव गुरुवार को गांव के ही पास खारी नदी में एक कुएं में मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही शंभूगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लापता युवती का शव मिलने के बाद परिजनों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि मनसा की हत्या कर शव को कुएं में फेंका गया है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस गहन जांच के बाद ही शव को कुएं से निकाले। शंभूगढ़ थाना प्रभारी मोतीलाल रायका ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि 19 तारीख को गुमशुदा मनसा भाटी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जिसके बाद से ही उसकी तलाश जारी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को कुएं से निकाल शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई, इस दौरान आक्रोशित परिजनों ने पोस्टमार्टम से इंकार कर हंगामा खड़ा कर दिया।

# अस्पताल में नशे में धुत्त मिला डॉक्टर

- डॉक्टर के कमरे में शराब की बोतलें बरामद, हेल्थ डिपार्टमेंट ने जांच के आदेश दिए

**बीकानेर, (निसं)।** बज्जू कस्बे में उप जिला अस्पताल में एक सरकारी डॉक्टर शराब के नशे में धुत्त मिला। लोगों ने मौके का वीडियो बना लिया। जिसमे डॉक्टर कह रहा है कि जो करना है कर लो, किसी भी मंत्री से बोल दो-संतरी से बोल दो, मैं डरता नहीं हूं। यह वीडियो सोशल मीडिया जमकर शेयर हो रहा है।

जानकारी के अनुसार बज्जू अस्पताल में क्षेत्र के कुछ लोग एक बच्चे को दिखाए गए थे, लेकिन डॉक्टर जांच करने की हालत में नहीं था। डॉक्टर की हालत का लोगों ने वीडियो बना लिया। डॉक्टर के कमरे में शराब की बोतलें भी बरामद की गई है। हेल्थ डिपार्टमेंट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे वीडियो में चार-पांच युवक डॉक्टर शैलेंद्र सिंह के पास पहुंचते हैं। एक कमरे से बाहर आकर डॉक्टर बात करता है तो एक छोटे बच्चे को दिखाने की बात कही जाती है। शराब के नशे में डॉक्टर कमरा बंद करना चाहता है, लेकिन लोग रोक लेते हैं। फिर वो वापस दूसरे कमरे में जाकर पलंग पर चद्दर से मुंह ढककर सो जाता है। स्थानीय लोग शराब की 2 बोतल भी मौके से बरामद करते हैं, जिसमें एक पैक बोतल थी और दूसरी लगभग खाली हो चुकी थी। एक गिलास में भी शराब मिली है, वहीं पास में नमकीन रखी हुई है।

हेल्थ डिपार्टमेंट के जॉइंट डायरेक्टर डॉ. देवेंद्र चौधरी ने बताया कि डॉ. शैलेंद्र सिंह के घर और अस्पताल में से ये घटना कहां की है इसका पता लगाया जा रहा है। अगर अस्पताल परिसर में शराब पी रहा था, तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। वहीं पूरे मामले की जांच होगी। डॉ. चौधरी ने बताया कि एक टीम बनाकर पूरे मामले की जांच की जाएगी।

डॉ. शैलेंद्र सिंह पहले भरतपुर का सीएमएचओ रह चुका है। शिकायतों के बाद वहां से एपीओ करके बीकानेर भेज दिया गया था। बज्जू में डॉक्टर की कमी होने के कारण यहां पोस्टिंग दी गई। पहले से चल रही जांच के बीच अब ये नई जांच डॉक्टर के खिलाफ शुरू होगी।

# बुआई करते समय स्प्रे चढ़ने से युवक की मौत

**लूणकरणसर, (निसं)।** क्षेत्र में खेत में सरसों की बुआई करते समय स्प्रे चढ़ने से युवक की मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने के बाद युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक की पहचान ढाणी लक्ष्मीनारायणसर निवासी 26 वर्षीय मदन मेघवाल के रूप में हुई है। मदन अपने खेत में सरसों की बिजाई के दौरान स्प्रे कर रहा था। इसी दौरान उसे स्प्रे का जहर चढ़ गया और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन तुरंत उसे लूणकरणसर के अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। पीबीएम अस्पताल में मदन को वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान रात को मदन मेघवाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

# सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल महोत्सव कल से

**अजमेर, (का.सं.)।** अजयमेरु जन कल्याण सेवा समिति की ओर से आयोजित सम्राट पृथ्वीराज चौहान क्रिकेट महोत्सव के अंतर्गत आगामी 26 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक नगर निगम अजमेर सीमा क्षेत्र के वार्डों का भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के संदर्भ में समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें तय किया गया कि महोत्सव का भव्य उद्घाटन समारोह 25 अक्टूबर को पटेल स्टेडियम स्थित स्पोर्ट्स परिसर इंडोर स्डेडियम के पास में किया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व उपमहापौर संपत सांखला ने बताया कि सभी उपस्थित सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपनी-अपनी जिम्मेदारियाँ लेते हुए महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। सांखला ने कहा कि खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता के माध्यम से एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया जाएगा, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रतियोगिता का ड्रा 24 अक्टूबर को निकाला जाएगा, जबकि मैच अजमेर के विभिन्न क्रिकेट मैदानों में खेले जाएंगे।

संस्था संरक्षक डॉ. प्रियशील हाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि उद्घाटन समारोह रंगारंग आयोजन किया जायेगा, जिसमें विभिन्न समितियां बनाई गई है। बैठक में विनित लोहिया, अशोक गुप्ता, रमेश एच. लालवानी, शैलेन्द्र परमार, सुमन साहू, दुर्गा प्रसाद शर्मा, दीलिप पारीक, घनश्याम सिंह चौहान, शुभम् नाथ योगी, नारायण सिंह रावत, अमृत लाल नाहरिया आदि मौजूद थे।

# नकली सोने के जेवर को असली बताकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने ठगी किए गए 2 लाख 19 हजार नगद बरामद किये

**सादुलपुर, (निसं)।** हमीरवास थाना पुलिस ने नकली सोने के जेवरात को असली बताकर ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर ठगी किए गए 2 लाख 19 हजार 200 रुपये बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

जानकारी के अनुसार हमीरवास थाना अधिकारी जय कुमार भादू ने बताया कि मामले में फरार चल रहे आरोपी सवाराम उर्फ प्रकाश निवासी एवडी गोल, तहसील व जिला सिरोही को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा मामले में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि रोहताश नाई निवासी इन्द्रपुरा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि अनाज मंडी सादुलपुर में पिकअप जीप में गांव से अनाज भरकर आता और जाता रहता है। इसी दौरान उनकी मुलाकात आरोपी प्रकाश से हुई। आरोपी ने खुद को मजदूर बताते हुए विश्वास दिलाया कि खुदाई के दौरान उसे हरियाणा के रेवाडी में सोने के जेवरात मिले हैं। आरोपी ने परिवादी को एक सोने की माला दिखाई और उसमें से दो मनके असली सोने की जांच के लिए देने की बात कही। रोहताश ने सोने के मनकों की जांच करवाई, जिसमें वे असली पाए गए। इसके बाद आरोपी रोहताश के घर आया और सोने की माला दिखाते हुए सोने के पांच लाख रुपये की मांग की। विश्वास में आकर रोहताश ने आरोपी को तीन लाख रुपये देकर माला खरीद ली, लेकिन जब माला पुनः सुनार के पास जाँच के लिए ले जाई गई, तो माला का सोना नकली निकला। इस तरह आरोपी ने नकली जेवरात को असली बताकर पीड़ित रोहिताश से 2 लाख 80 हजार रुपये ठग लिए। हमीरवास पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शरू की। थाना अधिकारी जय कुमार भादू ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी सवाराम उर्फ प्रकाश रामगढ़ में फैरी लगाकर गुलदस्ते बेचने का काम करता था और लोगों का विश्वास जीतने के लिए खुद को मजदूर बताता था।

# स्वास्थ्य सुविधाओं में आत्मनिर्भर कब बनेगा जैसलमेर जिला?

- 300 किलोमीटर तक एक भी ट्रॉमा सेंटर नहीं, आखिर कब तक चलेगा रेफर टू जोधपुर...

**पोकरण/जैसलमेर, (निसं)।** जैसलमेर जिले के लिए मंगलवार की सुबह एक भयावह हादसे की खबर लेकर आई। जैसलमेर-जोधपुर मार्ग पर चल रही निजी बस में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 22 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं। मृतकों में कई परिवारों के सदस्य एक साथ काल का ग्रास बन गए। यह हादसा न केवल सुरक्षा और परिवहन व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि एक बार फिर जैसलमेर और पोकरण क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी हकीकत को उजागर कर गया है। वह परंपरागत व्यवस्था जो हर गंभीर मरीज के साथ गूंजती है-रेफर टू जोधपुर।

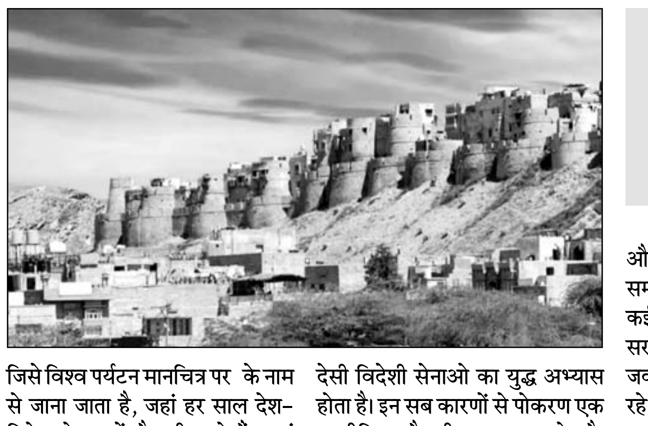

300 किलोमीटर का सफर और मौत से जंग के बीच एक भी ट्रॉमा सेंटर नहीं होने के कारण कई लोगों को जिंदगी और मौत के बीच मौत को गले लगाना पड़ता है। हादसे के बाद घायल यात्रियों को पास के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को जोधपुर रेफर करना पड़ा। जैसलमेर से जोधपुर तक का लगभग 300 किलोमीटर लंबा सफर, एम्बुलेंस के सायरनों के बीच हर बार कई जिंदगियों की सांसें थमा देता है। प्रशासन, जनप्रतिनिधि और आमजन सभी यही सवाल पूछ रहे हैं -क्या जैसलमेर जैसे पर्यटन और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिले को अब भी जोधपुर पर निर्भर रहना होगा?

**विश्वविख्यात नगरी, लेकिन बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं :-** जैसलमेर जिसे विश्व पर्यटन मानचित्र पर के नाम से जाना जाता है, जहां हर साल देश-विदेश से लाखों सैलानी आते हैं, जहां करोड़ों रुपए का कारोबार होता है, जहां बाबा रामदेवरा मेले में हर साल लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं, वहां की स्वास्थ्य सुविधाएं अब भी बीते दशक के स्तर पर ठहरी हैं। बड़ी कंपनियों से फंड आता है, सरकारी योजनाओं के तहत करोड़ों की स्वीकृतियां जारी होती हैं, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री और फिल्म जगत के सितारे आते-जाते हैं, लेकिन अत्याधुनिक अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर और बर्न यूनिट अब तक सपना बने हुए हैं।

**पोकरण का महत्व, लेकिन अधूरी परियोजना :** पोकरण शहर सामरिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां से मात्र 12 किमी दूर लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि है, जहां हर साल 30 से 40 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। साथ ही यह इलाका राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 और 125 के संगम पर स्थित है, जहां से हर दिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। सेना और बीएसएफ की छावनियों के साथ एशिया की सबसे बड़ी फील्ड फायरिंग रेंज मैं देसी विदेशी सेनाओ का युद्ध अभ्यास होता है। इन सब कारणों से पोकरण एक रणनीतिक और भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है, लेकिन यहां हादसों के बाद घायलों को इलाज के लिए जोधपुर भेजना पड़ता है।

सरकार ने वर्ष 2023 में 43 करोड़ रुपये की लागत से ट्रॉमा सेंटर निर्माण की घोषणा की थी। 9 अगस्त 2023 को तत्कालीन कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद ने इसका शिलान्यास किया था। परंतु दो वर्ष बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विभाग और ठेकेदार की लापरवाही इस देरी की मुख्य वजह है।

**बस हादसे ने फिर जगाई पीड़ा :-** हाल ही में हुई इस बस आगजनी की भयावह घटना ने एक बार फिर जनता के जख्म हरे कर दिए। घटना के बाद घायलों के परिजन, सामाजिक संगठनों और आमजन ने एक स्वर में सवाल उठाया। जब पर्यटन, ऊर्जा, सेना और शक्ति भक्ति एवं आध्यात्मिक के साथव्यापार में जैसलमेर देशभर में अग्रणी है, तो स्वास्थ्य सुविधाओं में आत्मनिर्भर बनने से इसे कौन रोक रहा है?

लोगों का कहना है कि ट्रॉमा सेंटर और बड़ा जिला चिकित्सालय अगर समय पर बनकर तैयार हो गया होता, तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। सरकार और जनप्रतिनिधियों से जवाबदेही का सवाल, आमजन अब पूछ रहे हैं आखिर ट्रॉमा सेंटर का कार्य कब पूरा होगा? 43 करोड़ की स्वीकृति के बाद भी निर्माण अधूरा क्यों है? क्या ठेकेदार और विभाग पर कोई कार्यवाही होगी? कब तक हर गंभीर मरीज को जोधपुर रेफर करने की परंपरा जारी रहेगी? स्थानीय सामाजिक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि पोकरण में ट्रॉमा सेंटर और जैसलमेर में बड़ा अत्याधुनिक चिकित्सालय शीघ्र शुरू किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसे में लोगों को समय पर उपचार मिल सके।

अब जनता का यह सवाल सत्ता के गलियारों में गूंज रहा है-जब सौर, पवन और पर्यटन, शक्ति भक्ति एवं आध्यात्मिक में जैसलमेरजिला अग्रणी है, तो स्वास्थ्य में पिछड़ा क्यों है? जनता चाहती है कि सरकार शीघ्र कदम उठाए, पोकरण के अधूरे ट्रॉमा सेंटर का निर्माण जल्द पूरा हो, जिला मुख्यालय व पोकरण में आधुनिक अस्पताल बने, बर्न यूनिट, , कार्डियक यूनिट और आपात सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि "रेफर टू जोधपुर" जैसी दर्दभरी परंपरा अब इतिहास बन जाए।

## घास में अजगर दिखा

**ब्यावर, (निसं)।** कोटड़ा ग्राम में एक खेत में फसलों की कटाई कर रही महिलाओं ने घास में अजगर दिखा दिया। तुरंत खेत के मालिक प्रभु सिंह को सूचित किया। प्रभु सिंह ने तुरंत प्रभाव से ब्यावर वन विभाग के अधिकृत वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू सुरेंद्र सिंह को सूचित किया। सुरेंद्र मौके पर पहुंच कर अजगर को झाड़ियों में से खींचकर बाहर निकाला। ग्रामीण प्रभु सिंह ने बताया कि अजगर की लंबाई करीब 13 से 14 फीट तथा उसका वजन करीब 50 किलो था।

# हादसे में पति-पत्नी व दो बच्चों की मौत

**ब्यावर, (निसं)।** भैयादूज पर टेंपो और ट्रेलर की टक्कर से पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं, दो बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा गुरुवार शाम 6 बजे ब्यावर-मसूदा मार्ग पर खीमपुरा घाटे में हुआ। ब्यावर सीओ राजेश कसाना ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सेंदडा रोड मोतीनगर निवासी राजू (35) पुत्र नीरा काठात, पूनम (33) पत्नी राजू, साहिल (7) और लक्की (9) की मृतकों रूप में पहचान हुई है। घायलों में हीना (12) और आलिशा (10) शामिल हैं। उन्हें ब्यावर के अमृतकौर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि राजू ब्यावर में टेंपो चलाता था और भाईदूज पर बच्चों सहित ब्यावर से खीमपुरा जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही ब्यावर के सीओ राजेश कसाना अपने स्टाफ के साथ अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

## पेट्रोल का बिना भुगतान किए कार चालक फरार

**सादुलपुर, (निसं)।** राजगढ़-सिद्धमुख सड़क मार्ग पर गुरूवार सुबह लगभग 4 से 5 बजे के बीच गांव मांगला के पास शीलदीप इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर एक कार चालक 3050 रुपये का पेट्रोल डलवाकर बिना भुगतान किए ही गाड़ी भगा ले जाने के आरोप का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार पंप पर मौजूद कर्मचारी ने बताया कि गाड़ी में सिर्फ चालक ही सवार था। उसने पहले भुगतान के लिए क्यूआर कोड मांगा, लेकिन फिर कहा कि 'इससे पेमेंट नहीं होगा, कार्ड स्वाइप मशीन लाओ' जैसे ही पट्रोल पंप कर्मचारी मशीन लेने ऑफिस की ओर गया, चालक मौके से गाड़ी भगा ले गया। घटना की सूचना पंप प्रबंधन ने पुलिस को दे दी है। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के जरिए गाड़ी की पहचान और चालक की तलाश की जा रही है।

# भूखंड देने के बाद भी सोनार दुर्ग में वैकल्पिक मार्ग नहीं खोला, पर्यटक परेशान

**जैसलमेर, (नि.सं.)।** कई वर्ष पूर्व सभापति अशोक तंवर द्वारा तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाह के निर्देशानुसार सर्व सहमति से निर्णय लेकर दुर्ग के खिड़कीपाड़ा के पांच परिवारों को सांवल कॉलोनी में भूखंड देकर पांचों घर खाली करवाये थे और वैकल्पिक मार्ग शुरू करवाया था, परन्तु वैकल्पिक मार्ग इन दिनों नहीं खुलवाये जाने से पर्यटकों को परेशानी हो रही है।

वर्ष 2011 में नगरपरिषद बोर्ड ने प्रशासन की सहमति से सूरज प्रोल से सटे वैकल्पिक मार्ग के रास्ते में आ रहे खिड़कीपाड़ा के पांच परिवारों का पुनर्वास करवाकर उन्हें सांवल आवासीय कॉलोनी में भूखण्ड आवंटित किये थे। वे लोग वहां शिफ्ट भी हो गये हैं, लेकिन कुछ वर्ष बाद सूरजप्रोल का गेट फिर बंद कर दिया गया है, जबकि इस गेट से सैकड़ों लोग आसानी से दुर्ग के ऊपर तक सुगमता से पहुंच सकते हैं। पर्यटन सीजन से पहले ट्रैफिक पुलिस की योजना में इस गेट को खुलवाकर भीड़ को शिफ्ट करने की योजना थी परंतु पर्यटकों के सैलाब के बीच यह गेट नहीं खुलने से सोनार दुर्ग में दिनभर अफरा-तफरी का माहौल है। सोनार दुर्ग में पर्यटकों का सैलाब उमड़ रहा है। विगत चार दिनों में हजारों देशी-विदेशी सैलानी सोनार दुर्ग पहुंचे हैं। आवासीय दुर्ग में चार हजार से अधिक की आबादी निवास करती है, परंतु भारी भीड़ की आशंका के बावजूद सोनार दुर्ग की सूरज प्रोल के बीच में बने वैकल्पिक मार्ग को इस बार नहीं खोला गया। इस वजह से पिछले तीन दिनों से सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच हजारों लोग जाम में फंस कर रह गए।

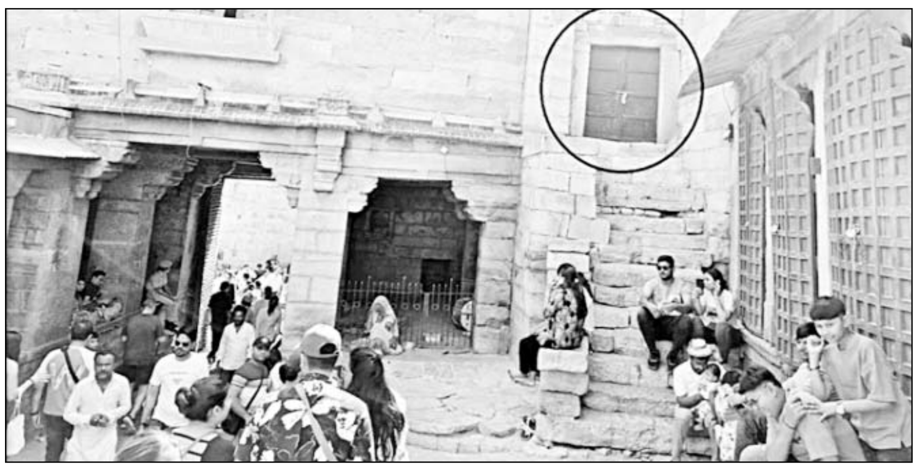
सोनार दुर्ग की सूरज प्रोल के भीतर वैकल्पिक मार्ग ( गोले में ) ताले में बंद है।

क्या सरफराज खान को उनके उपनाम के कारण नहीं चुना गया है। बसपूछ रही हूं। हम जानते हैं कि गौतम गंभीर इस मामले में क्या सोचते हैं। - शमा मोहम्मद

कांग्रेस प्रवक्ता, सरफराज के चयन को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर

स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सबसे बड़े बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर पहली बार पुर्तगाल की अंडर-16 राष्ट्रीय टीम के लिए चुने गए हैं। वह 30 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच तुर्की में होने वाले एक टूर्नामेंट में खेलेंगे। वह उस स्पोर्टिंग क्लब का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसके सात खिलाड़ियों को अंडर-16 राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। वे फेडरेशन कप में खेलेंगे, जिसके लिए कोच फिलिप रामोस ने 22 खिलाड़ियों की टीम में चुना है।पुर्तगाल में क्रिस्टियानिन्हो के नाम से मशहूर क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर अंडर 15 टीम के लिए पांच बार खेल चुके हैं।

**क्या आप जानते हैं ?...** भारत और ऑस्ट्रेलिया के मुकाबलों में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 3,077 रन बनाए हैं।

## विराट फिर शून्य पर लुढ़के, ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

एडिलेड 23 अक्टूबर। प्लेयर ऑफ द मैच एडम जम्पा (60 रन पर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी तथा मैथ्यू शार्ट (74) और कूपर कोनली (नाबाद 61) की शानदार अर्धशतकीय पारियों से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ रोमांचक दूसरे वनडे में गुरुवार को दो विकेट से जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। भारत ने रोहित शर्मा (73), श्रेयस अय्यर (61) और अक्षर पटेल (44) की शानदार पारियों की मदद से निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया,लेकिन विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में शून्य पर लुढ़क गए। ऑस्ट्रेलिया ने विकेट गंवाने के बावजूद 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत और सीरीज अपने नाम कर ली।

कोनली ने 53 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 61 रन की मैच विजयी पारी खेली। शार्ट ने 78 गेंदों पर 74 रन की संयमित पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। मिचेल ओवेन ने 23 गेंदों पर 36 रन में दो चौके और तीन छक्के मारे।

मेजबान टीम ने सतर्कता के साथ शुरुआत की। हेड और मार्श ने शुरुआत में समय लिया और फिर मार्श आउट हो गए। हेड भी ज़्यादा नुकसान नहीं पहुंचा सके और राणा का शिकार बने। शार्ट ने रेनशॉ के साथ मिलकर पारी को संभाला और समय पर चौके जड़े। भारत ने भी शॉर्ट के दो कैच छोड़े, जो अपना अर्धशतक पूरा कर चुके थे।

उनके आउट होने के बाद ओवेन आए और उन्होंने पारी को जल्दी खत्म करने की कोशिश की। कूपर कोनली दूसरे छोर पर अनुभवी बल्लेबाजी कर रहे थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ओवेन तब आउट हो गए जब 22 रन कुछ ही रनों की ज़रूरत थी। बार्टलेट और स्टार्क भी आउट हो गए, लेकिन कोनली ने रन बनाना जारी रखा और अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अभी 17 रन जोड़े थे कि सातवें ओवर में जेवियर बार्टलेट ने शुभमन गिल (9) को मिचेल मार्श के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को जेवियर बार्टलेट ने पगबाधा कर बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। उन्होंने चार गेंदों का सामना किया और एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 118 रन जोड़े। 30वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने रोहित शर्मा को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। रोहित शर्मा ने 97 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 73 रनों की पारी खेली।

भारत का चौथा विकेट 160 के स्कोर पर श्रेयस अय्यर के रूप में गिरा। श्रेयस अय्यर ने 77 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 61 रन बनाये। उन्हें एडम जम्पा ने बोल्ड आउट किया। के एल राहुल (11), वॉशिंगटन सुंदर (12), नीतीश कुमार रेड्डी (आठ) रन बनाकर आउट हुये। अक्षर पटेल ने 41 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 44 रनों की पारी खेली। अर्शदीप सिंह 13 रन बनाकर नौवें विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज खुल नहीं पाये और अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 264 रन स्कोर खड़ा किया। हर्षित राणा 18 गेंदों में 24 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने चार विकेट लिये। जेवियर बार्टलेट को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

## कुछ कैच छूटने से मुश्किलें बढ़ी : गिल

एडिलेड, 23 अक्टूबर। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया से दूसरा वनडे गुरुवार को दो विकेट से हारने के बाद कहा कि मुझे लगता है हमारे पास बस पर्याप्त रन थे। जब आप कुछ कैच छोड़ देते हैं तो उस स्कोर का बचाव करना कभी आसान नहीं होता। भारत ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया,लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने विकेट गंवाने के बावजूद 462 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत और सीरीज अपने नाम कर ली। मैच के बाद गिल ने प्रेजेंटेशन में कहा,जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती गई, विकेट और बेहतर होता गया। पहले मैच में टॉस ज़्यादा अहम था, इस बार उतना नहीं रहा। दोनों टीमों ने लगभग पूरे 50 ओवर खेले। पहली पारी के शुरुआती 10-15 ओवरों के बाद विकेट काफी स्थिर हो गया था। (रोहित के बारे में) लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए वापसी करना कभी आसान नहीं होता, मैं कहूँगा कि वह एक बढ़ी पारी खेलने से चूक गए।

बतौर कप्तान शुभमन गिल ने पहली ही वनडे सीरीज गंवा दी। हार के बाद कप्तान गिल ने फील्डिंग को हार का बड़ा कारण माना। उन्होंने हार के लिए फील्डर्स को जिम्मेदार ठहराया। वहीं गिल ने रोहित शर्मा की पारी की जमकर तारीफ भी की। सीरीज गंवाने के बाद गिल ने कहा कि, हमने बोर्ड पर पर्याप्त रन लगाए थे। ऐसे टारगेट का बचाव करना तब आसान नहीं होता है जब आप हाथ आए कई मौकों को गंवा देते हैं। पहले मैच में बारिश की वजह से टॉस काफी अहम था। हालांकि, इस मुकाबले में टॉस की भूमिका कुछ खास नहीं थी, क्योंकि दोनों ही टीमों ने लगभग 50-50 ओवर खेले। शुरुआत में विकेट थोड़ी बहुत हरकत कर रही थी। लेकिन 15 से 20 ओवर के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी हो गई थी। वहीं गिल ने रोहित को लेकर कहा कि, इतने लंबे समय बाद वापसी करते हुए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना बिल्कुल भी आसान नहीं होता है। हालांकि, शुरुआत में बैटिंग करना काफी चैलेंजिंग था। बहुत ही अच्छा लगा जिस तरह से रोहित ने बल्लेबाजी की। उन्होंने शुरुआत में कमाल की लड़ाई लड़ी मेरे हिसाब से वह काफी बड़ी पारी खेलने से बस चूक गए।

### विमेंस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा मेजबान भारत

## स्मृति व प्रतिका की सेंचुरी, न्यूजीलैंड को 53 रन से हराया

इंदौर, 23 अक्टूबर। मेजबान भारत ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने गुरुवार को राउंड रॉबिन मैच में न्यूजीलैंड को 53 रन (डीएलएस) से हराया। इसी के साथ इंडिया विमेंस नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाली चौथी और आखिरी टीम बन गई। वहीं न्यूजीलैंड और श्रीलंका बाहर हो गईं।

नवी मुंबई के डीवाय पाटिल स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 49 ओवर में 3 विकेट खोकर 340 रन बनाए। बारिश के कारण एक ओवर कम हुआ। यह टीम का बेस्ट वर्ल्ड कप स्कोर रहा। स्मृति मंधाना ने 109, प्रतिका रावल ने 122 और जेमिमा रोड्रिग्ज ने 76 रन बनाए।

मेथड से न्यूजीलैंड को 44 ओवर में 325 रन का टारगेट मिला। टीम ने 59 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। अमीलिया केर ने 45 रन बनाकर टीम को संभाला, लेकिन 154 पर टीम के 5 विकेट गिर गए। ब्रूक हालिडे ने आखिर में न्यूजीलैंड को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहीं।

उन्होंने 81 और इजाबेल गेज ने 65 रन बनाए। टीम 8 विकेट खोकर 271 रन ही बना सकी। गेंदबाजी में भारत से क्रांति गौड़ और रेणुका ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। स्नेह राणा, श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और प्रतिका रावल को 1-1 विकेट मिला। न्यूजीलैंड के लिए अमीलिया केर, रोजमेरी मेयर और सूजी बेट्स ने 1-1 विकेट लिया। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका ने भी सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है।

### स्मृति-प्रतिका ने ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की

स्मृति मंधाना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने 2025 में महिला वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के मारने का वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया है। ये उपलब्धि उन्होंने मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में हासिल की। प्रतिका ने महज 23 पारियों में 1000 रनों का आंकड़ा छू लिया है, जिससे वह महिला वनडे में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाली संयुक्त रूप से पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की महान लिंडसे रीलर के 37 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

### भारत को हराना अच्छा लगा : जम्पा

एडिलेड, 23 अक्टूबर। भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में अपने चार विकेट की बदौलत प्लेयर ऑफ द मैच बने ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने कहा कि भारत को हराना अच्छा लगा। जम्पा ने मैच के बाद कहा,उनके खिलाफ मुकाबला हमेशा से ही अच्छा रहा है। दोनों टीमें परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढाल लेती हैं। मिच (मार्श) शांत रहते हैं, कभी भावुक नहीं होते। हम गेंद से अपना अलग ही अंदाज दिखाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने जीत के बाद कहा, शानदार रहा। वनडे क्रिकेट में इतने अधिक लोगों के सामने खेलना अब कम ही होता है। सीरीज जीतकर बहुत खुश हूं। जॉश हेज़लवुड ने शायद अब तक का सबसे बेहतरीन नॉट-आउट स्पेल डाला जो मैंने देखा है। बल्लेबाजी में भी हम बेहतरीन रहे। ऐसे खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। अब हम ड्रेसिंग रूम में एक बीयर के साथ इस जीत का आनंद जरूर लेंगे, हालांकि अगले मैच से पहले आराम का समय बहुत कम है।

### बांग्लादेश ने विंडीज को रौंदकर सीरीज 2-1 से जीती

ढाका, 23 अक्टूबर। सैफ हसन (80) और सौम्य सरकार (91) की शानदार पारियों की बदौलत बंगलादेश ने वेस्ट इंडीज को गुरुवार को 179 रन से रौंदकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। बंगलादेश ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 298 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद वेस्ट इंडीज की पारी को 301 ओवर में मात्र 117 रन पर समेटकर विशाल अंतर से जीत हासिल की। बंगलादेश की तरफ से नासुम अहमद और रिशाद हुसैन ने तीन-तीन विकेट हासिल किये। सौम्य सरकार को प्लेयर ऑफ द मैच और रिशाद हुसैन को उनके 12 विकेटों के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

### गुजरात जाएंट्स को 28 अंक से हराकर बेंगलूरू बुल्स ने अपने लिए तीसरा स्थान सुरक्षित किया

*नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। बेंगलुरु बुल्स अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ खेलेगी। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 106वें मैच में बुल्स ने गुजरात जाएंट्स को 54-26 के भारी-भरकम अंतर से हराकर अपने लिए तीसरा स्थान सुरक्षित किया। इस हार के साथ गुजरात की घर वापसी हो गई है। इस सीजन में बुल्स की 11वीं जीत में उसके सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। इसका नेतृत्व रेड में अलीरेजा मीरजाइन (10) ने किया जबकि आकाश शिंदे (11) ने उनका बखूबी साथ दिया। डिफेंस में संजय ने हाई-5 लगाया जबकि दीपक संकर ने चार और कप्तान योगेश दहिया ने तीन अंक लिए। गुजरात के लिए हिमांशु सिंह (5) और श्रीधर कदम (8) ही कुछ चमक दिखा सके। बहरहाल, बुल्स ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए तीन मिनट के भीतर ही गुजरात को आलआउट कर 10-1 की लीड ले ली। गुजरात के लिए सिर्फ हिमांशु अंक ले रहे थी। आलाइन के बाद उन्हें भी बुल्स ने लपक लिया। इधर, आकाश और अलीरेजा ने लगातार अंक लेते हुए पहला क्वार्टर खत्म होने तक न सिर्फ बुल्स को 17-4 से आगे कर दिया बल्कि गुजरात के लिए सुपर टैकल भी आन कर दिया लेकिन गुजरात इससे कुछ कमा नहीं सकी और दूसरी बार आलआउट होकर 5-22 से पीछे हो गई। आलाइन के बुल्स ने दो बार हिमांशु को आउट किया। गुजरात मुश्किल में थी और इसी बीच आशीष ने मल्टीप्वांटर के साथ उसकी मुश्किल और बढ़ा दी गुजरात फिर सुपर टैकल की स्थिति में थी और बुल्स ने फिर से आलआउट लेकर 34-7 की लीड ले ली। बहरहाल, बुल्स ने 36-7 की लीड के साथ पाला बदला। हाफटाइम के बाद अलीरेजा के मल्टीप्वांटर ने बुल्स को एक बार फिर सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। स्कोर 40-10 था। फिर संजय ने हिमांशु को लपक हाई-4 पूरा किया। इसके बाद अलीरेजा ने सूपड़ा साफ करते हुए बुल्स को 45-11 से आगे कर दिया।*

## साइमन हार्मर की फिरकी से दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान से टेस्ट श्रृंखला बराबर की

रावलपिंडी, 23 अक्टूबर। साइमन हार्मर (छह विकेट) और केशव महाराज (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को दूसरी पारी में 132 के स्कोर पर ढेर करने के बाद 68 रनों के लक्ष्य को 12.3 ओवर में दो विकेट पर 73 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।

पाकिस्तान ने कल के चार विकेट पर 94 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में पाकिस्तान का पांचवां विकेट मोहम्मद रिजवान (18) के रूप में गिरा। इसके बाद नोमान अली (शून्य) पर पवेलियन लौट गये। दोनों बल्लेबाजों को साइमन हार्मर ने आउट किया। शाहीन शाह अफरीदी (शून्य) रनआउट हुये। आगा सलमान (28) को केशव महाराज ने बोल्ड आउट किया। केशव महाराज ने 50वें ओवर की तीसरी गेंद पर साजिद खान (13) को आउटकर पाकिस्तान की दूसरी पारी का 132 के स्कोर पर अंत कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर (छह विकेट) और केशव महाराज (दो विकेट) मिले। पाकिस्तान को 67 रनों की बढ़त हासिल हुई, और इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 13वें ओवर में दो विकेट पर 73 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए नोमान अली ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। रायन रिकलटन 25 रन बनाकर नाबाद रहे। एडन मारक्रम ने 42 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने शान, शकील और शफीक ने अर्धशतकीय पारियों की मदद से पहली पारी में 333 रनों का स्कोर बनाया था। इसके बाद मुथुसामी (89) और कगिसो रबाडा (71) की शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने 404 रनों का स्कोर खड़ा कर 71 रनों की बढ़त हासिल की।

### रवींद्र जडेजा रणजी ट्रॉफी के अगले दौर में सौराष्ट्र के लिए खेलेंगे

मुम्बई 23 अक्टूबर। भारतीय टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा शनिवार से शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी के अगले दौर में सौराष्ट्र के लिए खेलेंगे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि रवींद्र जडेजा के अगले मैच में खेलने की उम्मीद है। राजकोट ट्रॉफी का दूसरा दौर 25 अक्टूबर से राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में शुरू होगा। पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र अपने घरेलू मैदान पर से भिड़ेगी। जडेजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारत की एकदिवसीय टीम में नहीं चुना गया जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी मैच के लिए खुद को उपलब्ध बताया है ताकि वह अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए खुद को तैयार कर सकें। 36 वर्षीय जडेजा ने आखिरी बार पिछले सीजन में असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। उन्होंने उस सीजन में दो मैच खेले थे और दिल्ली के खिलाफ अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के साथ प्लेयर ऑफ द मैच (38 रन, 66 रन पर पांच विकेट और 38 रन पर सात विकेट) बने थे। सौराष्ट्र के लिए कुल 47 रणजी मैचों में उन्होंने 57.60 की औसत से 3,456 रन बनाए हैं और 21.25 की औसत से 208 विकेट लिए हैं। सीजन के अपने पहले मैच में, सौराष्ट्र ने कर्नाटक को पहली पारी में मामूली बढ़त दिलाकर हराया था, जिसमें धर्मेंद्र जडेजा प्रमुख खिलाड़ी साबित हुए थे। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने पहली पारी में 124 रन देकर 7 विकेट सहित कुल 10 विकेट लिए थे। सौराष्ट्र की कमान भारत के पूर्व टेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के हाथों में है। दो बार की पूर्व चैंपियन टीम पिछले सीजन में गुजरात से हारने से पहले क्वार्टर फ़ाइनल तक पहुंची थी।

### कजाकिस्तान के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए भारत ने की 23 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। भारत की अंडर-20 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने कजाकिस्तान अंडर-19 टीम के खिलाफ दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है।

पहला मैच 25 और तथा मुकाबला 28 अक्टूबर को कजाकिस्तान के शिमकेंट में होगा। इसे अप्रैल 2026 में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए भारत की तैयारियों के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय टीम बेंगलुरु स्थित पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में एक संक्षिप्त शिविर के बाद आज सुबह कजाकिस्तान के लिए रवाना हुई और शाम को शिमकेंट पहुंचेगी।

कजाकिस्तान के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए भारत की अंडर-20 महिला टीम की 23 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:- **गोलकीपर:** मेलोडी चानू कीशम, मोनालिशा देवी मोइरांगथेम और रिबांसी जामू। **डिफेंडर :** अलीना चिंगखाम, सिंडी रेमरुअटपुई कोलनी, जूही सिंह और निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, शुभांगी सिंह, थोइबिसाना चानू तोइजाम और विकसित बारा। **मिडफील्डर:** अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामीराकपम, भूमिका देवी,खुमुकचम, खुशबू, सरोज, नेहा और पूजा। **फॉरवर्ड:** बबीता कुमारी, दीपिका पाल, काजोल डिसूजा, लिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी नोंगमेइकापम।

### तीसरा टी-20 बारिश के कारण रद्द, इंग्लैंड ने जीती सीरीज

ऑकलैंड, 23 अक्टूबर। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच तीसरा टी-20 मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। इसी के साथ क्राइस्टचर्च में दूसरे टी-20 मैच में जीत की बदौलत इंग्लैंड ने तीन मैचों की यह सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। पहला टी-20 मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था। आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। फिल साल्ट ने पहली ही गेंद पर चौका लगाया। खेल जैसे ही शुरू हुआ बारिश के चलते खेल रोकना पड़ा। तीन गेंदों पर दो चौके लगाकर पारी की शुरुआत की, लेकिन बारिश ने पहली बार खेल में खलल डाला और डेढ़ घंटे की देरी हुई। इस देरी के कारण 14 ओवर प्रति टीम का खेल छोटा हो गया। इसी दौरान दूसरे ओवर में ब्रायडन कार्स ने टिम रॉबिन्सन (दो) को आउट किया। इसके बाद रचिन रवींद्र और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने तेजी के साथ रन बनाने शुरु किया। रचिन रवींद्र ने कार्स की गेंद पर एक और छक्का जड़ा जबकि सीफर्ट ने इस लंबे कद के गेंदबाज को मिड-विकेट के ऊपर से छक्का मारा।

### जीत से विदाई के लिए उतरेंगे श्रीलंका-पाक

कोलंबो, 23 अक्टूबर। मेजबान श्रीलंका महिला टीम कल यहां आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान महिलाओं के खिलाफ एक बेमेल मुकाबले में अपने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अभियान का शानदार समापन करना चाहेगी।

दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं, ऐसे में प्रतिष्ठा दांव पर होगी क्योंकि चामरी अथापट्टू की श्रीलंकाई टीम बांग्लादेश पर मिली हालिया करीबी जीत को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी, जबकि फातिमा सना की अगुवाई वाली पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में है। छह मैचों में एक जीत और तीन हार दर्ज करने वाली श्रीलंकाई टीम इस मुकाबले में नए आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। हसीनी परेरा की 99 गेंदों पर 85 रनों की तेज पारी और कप्तान चामरी की चार विकेट सहित ऑलराउंड प्रतिभा ने उनके पिछले मैच में अहम भूमिका निभाई थी। नीलाक्षी डी सिल्वा ने भी 37 रनों की तेज पारी खेलकर मध्यक्रम की विश्वसनीयता को मजबूत किया।

गेंदबाजी में, चामरी, इनोका रनवीरा, सुगंधिका कुमारी और उदेशिका प्रबोधनी ने विकेट चटकाए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कुल मिलाकर निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद श्रीलंका ज़्यादातर मैचों में प्रतिस्पर्धी बना रहे। इस बीच, पाकिस्तान के लिए यह टूर्नामेंट बेहद मुश्किल रहा है, जहां उसे लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा है। जिसमें दक्षिण अफ्रीका से बारिश से प्रभावित हार भी शामिल है।

### पंजाब किंग्स ने बहुतुले को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन से पहले पूर्व भारतीय लेग स्पिनर बहुतुले को अपना नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। वह सुनील जोशी की जगह लेंगे, जिन्होंने 2023 से 2025 तक यह पद संभाला था। बहुतुले, जिन्हें हाल ही में राजस्थान रॉयल्स ने रिलीज किया था, जहां उन्होंने यही भूमिका निभाई थी, घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने लंबे कोचिंग करियर का भरपूर अनुभव लेकर आए हैं। 51 वर्षीय बहुतुले इससे पहले बंगाल, केरल, विदर्भ और गुजरात जैसी टीमों के साथ काम कर चुके हैं और सभी प्रारूपों में युवा भारतीय गेंदबाजों को निखारने में उनके योगदान के लिए उन्हें व्यापक रूप से श्रेय दिया जाता है। बहुतुले का टीम में स्वागत करते हुए, पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने कहा, "हम सुनील जोशी को वर्षों से पंजाब किंग्स के प्रति उनकी समर्पित सेवा और योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हैं। आगे बढ़ते हुए, हम सैराज बहुतुले का अपने कोचिंग स्टाफ में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। खेल की उनकी गहरी समझ, खासकर घरेलू गेंदबाजों को तैयार करने और रणनीति बनाने का उनका व्यापक अनुभव, हमारी टीम के लिए अमूल्य होगा।"

### पंजाब पुलिस जालंधर ने पंजाब एंड सिंध बैंक को 5-0 से हराया

जालंधर, 23 अक्टूबर। दस ओलंपियन खिलाड़ियों से सुसज्जित पंजाब पुलिस जालंधर की टीम ने 42वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट में पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली को 5-0 से हराकर शानदार शुरुआत की और तीन अंक अपने खाते में डाले। दूसरे मैच में आर्मी इलेवन ने सीआरपीएफ दिल्ली को 2-1 से हराकर तीन अंक अर्जित किए। स्थानीय ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में गुरुवार को शुरू हुए इस टूर्नामेंट का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल ने किया। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के उपाध्यक्ष, हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितन कोहली और इंडियन ऑयल के महाप्रबंधक यशपाल कांत उनके साथ मौजूद थे। आईवीवाई स्कूल के बच्चों ने जिम्नास्टिक का प्रदर्शन किया। उद्घाटन मैच पूल बी में पंजाब पुलिस और पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली के बीच खेला गया। खेल के पहले क्वार्टर में बैंक ने पुलिस पर पलटवार किया। दूसरे क्वार्टर के 20वें मिनट में पंजाब पुलिस के कप्तान ओलंपियन हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया।

### भारत और अर्जेंटीना के बीच पांच साल बाद पोलो में होगी जबरदस्त टक्कर

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। पांच साल के अंतराल के बाद, अंतर्राष्ट्रीय पोलो राजधानी में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। विश्व की नंबर एक टीम अर्जेंटीना और पोलो का जन्मदाता भारत शनिवार को प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड में जबरदस्त भिड़ंत के लिए तैयार हो गए हैं।

कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस, भारतीय पोलो संघ और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से, भारत और अर्जेंटीना के बीच इस प्रतिष्ठित मुकाबले की मेजबानी करेगा। पोलो और अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत की गरिमा उस समय देखने को मिली जब कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस और भारतीय पोलो संघ (आईपीए) ने दिल्ली छावनी स्थित आर्मी इक्वेस्ट्रियन सेंटर में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और कोग्निवेरा अंतर्राष्ट्रीय पोलो कप की ट्रॉफी लॉन्च की।

इस कार्यक्रम में टीम इंडिया और टीम अर्जेंटीना की आधिकारिक प्रस्तुति भी शामिल थी, जिससे दुनिया की दो शीर्ष पोलो टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद जगी। मुख्य आकर्षण शानदार कोग्निवेरा अंतर्राष्ट्रीय पोलो कप ट्रॉफी का अनावरण था, जो प्रतिस्पर्धा के मूल सार, भारत और अर्जेंटीना, दोनों देशों के बीच संयुक्त विरासत और सौहार्द का प्रतीक है, जो राजाओं के खेल के प्रति प्रेम को साझा करते हैं और उससे जुड़े हैं। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि, गणमान्य व्यक्ति और खेल प्रेमी इस सबसे प्रतिष्ठित पोलो कैलेंडर के सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित मैचों में से एक के आधिकारिक शुभारंभ के साक्षी बनने के लिए एकत्र हुए थे।

# कृषि, उद्योग व ऊर्जा से बनेगी राज्य की 4.3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने विज़न 2047 के लिए मध्यावधि लक्ष्य निर्धारित किये

जयपुर, 23 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान/2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। गत अगस्त माह में सम्पन्न हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस विजन डॉक्यूमेंट का अनुमोदन भी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं की कार्यस्थल पर भागीदारी का लक्ष्य 60 प्रतिशत से अधिक तय किया है। इसके अलावा, उनकी मंशा देश में पर्यटकों के आवागमन में राज्य की भागीदारी बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की है।

विजन डॉक्यूमेंट में कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा को प्रमुख आधार बनाते हुए, प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाने की परिकल्पना की गई है। राज्य सरकार ने वर्ष 2047 के दूरगामी लक्ष्य को हासिल करने के लिए चरणबद्ध रूप से विकास की रूपरेखा बनाई है। इसके लिए वर्ष 2030, 2035 और 2040 के मध्यावधि लक्ष्य भी तय किए गए हैं।

विजन डॉक्यूमेंट में राज्य के विकास लक्ष्य का आधार दुनिया के विकसित देशों के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल पैरामीटर्स को माना गया है। राज्य सरकार सामाजिक सशक्तिकरण एवं समावेशन के लिए महिलाओं, युवाओं एवं वंचित समुदायों पर केन्द्रित नीतियों को आधार बनाते हुए, राज्य को सामाजिक रूप से सशक्त राज्य बनाने की योजना पर कार्य कर रही है। पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं भी राज्य के विकास में अपना योगदान दे सकें, इसके लिए कार्यस्थलों पर महिलाओं की भागीदारी 60 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य तय किया गया है। राज्य सरकार प्रदेश को वैश्विक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए कार्य कर रही है। सरकार की मंशा है कि देश में पर्यटकों के आवागमन में राज्य की भागीदारी 15 प्रतिशत कर राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाया जाए।

इन सभी लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों द्वारा कार्ययोजना तैयार की गई है। कार्ययोजना का वित्तीय आवश्यकताओं के अनुसार हर वर्ष आंकलन किया जाएगा और सतत मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन कर फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा। इससे निर्धारित लक्ष्य के प्रति हर विभाग की जवाबदेही सुनिश्चित होगी और विकास कार्य निर्बाध रूप से संपन्न हो सकेंगे।

# गाजा में तुर्की की दखलदांजी का इज़रायल ने विरोध किया

येरूशलम, 23 अक्टूबर। इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने येरूशलम में बुधवार को अमेरिकी

- इज़रायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति को युद्ध विराम के अगले चरण की शर्तें बताईं।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ अपनी बैठक में युद्धिवराम समझौते के अगले चरणों के कार्यान्वयन की इच्छा व्यक्त की। नेतन्याहू ने हालांकि समझौते में कुछ ऐसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को भी रेखांकित किया, जिनका समाधान न होने पर आगे की प्रगति बाधित हो सकती है। ये महत्वपूर्ण बिंदु हैं, गाजा पट्टी में तुर्की की किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप न करने की इज़रायल की मांग, गाजा पट्टी के प्रशासन में फिलिस्तीनी प्राधिकरण या हमास की किसी भी भागीदारी का इज़रायल द्वारा विरोध। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण और गाजा पट्टी के पूर्ण विसैन्यीकरण के बाद ही इजरायली सेना पूरी तरह से पीछे हटेगी।

# राजनाथ सिंह दो दिन की यात्रा पर जैसलमेर पहुँचे

## रक्षा मंत्री जैसलमेर में हो रही आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रैंस में भाग लेंगे

जैसलमेर, 23 अक्टूबर (नि.सं.)। रक्षा मंत्री राजनाथसिंह गुरुवार सायं दो दिवसीय यात्रा पर जैसलमेर पहुंचे। हवाई अड्डे पर जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी एवं भाजपाइयों ने उनक स्वागत किया। एयरपोर्ट से राजनाथ सिंह आर्मी वॉर म्यूज़ियम गए।

वहाँ उन्होंने "शौर्य पार्क" और 'कैक्टस पार्क' का उद्घाटन किया। इन स्थलों पर भारतीय सेना के इतिहास, युद्धों और वीर जवानों की गाथाएं प्रदर्शित की गई हैं। इसके अलावा, सिंह ने एक नया लाइट एंड साउंड शो भी शुरू किया, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगा।

- राजनाथ सिंह ने आज वॉर म्यूज़ियम में "शौर्य पार्क" और "कैक्टस पार्क" का उद्घाटन किया। उन्होंने पर्यटकों व स्थानीय लोगों के लिए एक नया लाइट एण्ड साउण्ड शो का शुभारंभ किया।

शुक्रवार को दौरे के दूसरे दिन रक्षा मंत्री सीमा क्षेत्र लोंगेवाला जाएंगे, जहाँ 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। राजनाथ सिंह यहां शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे और वहाँ तैनात जवानों से संवाद करेंगे। वहाँ सेना की नई ऑपरेशनल क्षमताओं और उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

राजनाथ सिंह सीमा की देवी माता राणी तनोटराय के दर्शन करेंगे। इसके बाद वे जैसलमेर में होने वाली तीन दिवसीय आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में भी हिस्सा लेंगे और सेना के अधिकारियों के साथ देश की सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य तैयारियों के बारे में चर्चा करेंगे।

तीन दिन चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में देश की सीमाओं की मौजूदा स्थिति, तकनीकी बदलावों और आने वाले वर्षों में सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के मुद्दों पर विचार किया जाएगा। शुक्रवार को ही सिंह दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जायेंगे।

## प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

विक्रम साराभाई के साथ अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से मिलने गए थे और उस क्षण ने भारत के अंतरिक्ष सपनों को आकार देने में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई। चिटनिस की विरासत समृद्ध और बहुआयामी है। उन्होंने भारत के पहले रॉकेट के प्रक्षेपण स्थल के रूप में केरल के थुम्बा को चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह निर्णय देश की अंतरिक्ष यात्रा को गति देने में निर्णायक साबित हुआ। चिटनिस ने सन् 1981 से 1985 तक अहमदाबाद स्थित इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के निदेशक के रूप में सुदूर संवेदन, उपग्रह संचार और ऐतिहासिक भारतीय अंतरिक्ष यात्रा (आईएनएसएटी) कार्यक्रम में महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाया।

# 28 अक्टूबर तक जारी हो सकता है महागठबंधन का चुनाव घोषणा पत्र

## घोषणा पत्र में आर्थिक न्याय पर फोकस किए जाने की संभावना है

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन की तरफ से साझा घोषणापत्र अगले हफ्ते पटना में जारी किया जा सकता है।

- कांग्रेस पार्टी पहले से ही कुछ बड़ी घोषणाएं कर चुकी है। जैसे महिलाओं को प्रति माह 2500 रु. और 25 लाख रु. तक का मुफ्त इलाज आदि, इन सभी को चुनाव घोषणा पत्र में जगह दी जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, 28 अक्टूबर को महागठबंधन का साझा घोषणापत्र जारी किया जा सकता है, जिसमें महिलाओं पर विशेष फोकस किया गया है। सूत्रों का कहना है कि इसके साथ ही नौकरी, पलायन और रोजगार पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

महागठबंधन के साझा संकल्प पत्र में इस बार आर्थिक न्याय पर विशेष ध्यान देने की तैयारी है। साथ ही, इसमें रोजगार, शिक्षा, महिलाओं की भागीदारी और सामाजिक सुरक्षा पर भी ठोस वादे होंगे। बिहार के लिए महागठबंधन की तरफ से पहले ही कांग्रेस पार्टी ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर रखी हैं, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए, 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, भूमिहीन परिवारों के लिए 3 से 5 डिसमिल जमीन और अतिपिछड़ा वर्ग को न्याय दिलाने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

गौरतलब है कि गुरुवार को महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री चेहरा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव और उपमुख्यमंत्री चेहरा मुकेश सहनी के नाम का ऐलान भी कर दिया गया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को महागठबंधन की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो उपमुख्यमंत्री मुकेश सहनी होंगे। उप मुख्यमंत्री और भी लोग बनाए जाएंगे, जो पिछड़े समुदाय से होंगे। महागठबंधन में राजद और कांग्रेस के साथ-साथ, सीपीआई (एमएल) और अन्य वामपंथी दलों के साथ साथ विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं।

# उद्धव और राज ठाकरे की लगातार पांचवीं मुलाकात

मुंबई, 23 अक्टूबर। मुंबई में ठाकरे परिवार के पारिवारिक आयोजन ने इस सप्ताह राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गये। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) अध्यक्ष राज ठाकरे, लगातार पांचवीं बार एक साथ नजर आए। ऐसे में परिवार की नजदीकी और राजनीतिक समीकरणों की संभावनाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। भाई-दूज के त्योहार के अवसर पर राज ठाकरे की बहन जैजयवंती के घर दोनों नेता एकत्रित हुए। यह इस महीने उनका पांचवां व्यक्तिगत और पारिवारिक मिलन है। इससे एक दिन पहले उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे की मां कुंदा ठाकरे और अपनी चाची को उनके जन्मदिन की बधाई देने दादर स्थित उनके घर पहुंचे थे। उद्धव और राज ठाकरे जुलाई 2025 के बाद सार्वजनिक मंच पर कम से कम 10 बार साथ दिखे हैं।

# आसियान शिखर सम्मेलन में मोदी वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे

## इस घोषणा से कई दिन से चल रही मोदी -ट्रंप मुलाकात की चर्चा समाप्त हो गई

नयी दिल्ली, 23 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 22 वें आसियान -भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेने के निर्णय से उनकी मलेशिया यात्रा तथा वहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात की संभावनाओं को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन (आसियान) -भारत शिखर सम्मेलन 26 से 28 अक्टूबर तक कुआलालंपुर में हो रहा है।

गुरूवार को पहले, प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में स्वयं यह जानकारी दी और बाद में विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 26 अक्टूबर को इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे।

- विदेश मंत्रालय ने कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर मोदी 26 अक्टूबर को शिखर सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करेंगे।

वक्तव्य में कहा गया है कि मोदी और आसियान नेता संयुक्त रूप से आसियान-भारत संबंधों में प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की पहलों पर चर्चा करेंगे। भारत का कहना है कि आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करना उसकी एक्ट ईस्ट नीति और हमारे हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है।

इससे पहले, मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष और मेजबान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बात कर यह जानकारी दी है कि वे इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेंगे। उन्होंने पोस्ट में लिखा," मेरे प्रिय मित्र मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ फोन पर गर्मजोशी से बातचीत हुई। उन्हें आसियान की अध्यक्षता के लिए बधाई और आगामी शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से शामिल होने और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए उत्सुक हूं।"

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मोदी ने उन्हें फोन किया और व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने लिखा कि मोदी ने उन्हें बताया है कि वे शिखर सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे, क्योंकि भारत में इस समय त्योहार चल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर अभी तक कोई सहमति नहीं बन पायी है और यह कयास लगाये जा रहे थे कि मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन में ट्रंप और मोदी के बीच मुलाकात के दौरान इसमें प्रगति हो सकती है। अब मोदी के मलेशिया नहीं जाने से दोनों के बीच मुलाकात की संभावना खत्म हो गयी है।

# 5 दिन में 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए

अयोध्या, 23 अक्टूबर। भक्ति, भव्यता और विकास...दीपोत्सव में इन तीनों का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीराम की नगरी अयोध्या में जहां करोड़ों दीपों से विश्व कीर्तिमान रचा गया, वहीं इस आयोजन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। पिछले पांच दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।

- दीपोत्सव के दौरान अयोध्या में दीप प्रज्ज्वलित करने का रिकॉर्ड भी बना।

दीपोत्सव के दौरान, अयोध्या के कारोबारियों को बहुत बड़ी आकस्मिक आय हुई है। 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर के बीच अयोध्या में करीब आठ लाख श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान 90 फीसदी होटल, रेस्टोरेंट फुल रहे। जलपान, प्रसाद सामग्री, राम नामी, फोटो विक्रेताओं की खूब आय हुई। अनुमान है कि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या की अर्थव्यवस्था में करीब पांच करोड़ का प्रवाह हुआ।

दीपोत्सव में बने रिकॉर्ड का उत्सव मनाने अयोध्या में पिछले पांच दिनों से लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। दीपोत्सव के अगले दिन से लगातार तीन दिन छुट्टी होने के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ अयोध्या में उमड़ पड़ी। शाम के समय अयोध्या की भव्यता निहारने की ललक लोगों में ज्यादा दिखी।

## मनीष शर्मा युवा ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

विकसित एक ऐसा मंच है, जिसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध युवाओं और कार्यकर्ताओं को संगठित करना तथा उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करना है।

# खट्टर ने पुश्तैनी घर पुस्तकालय के लिए दान किया

चंडीगढ़ , 23 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारक रहने के बाद बीजेपी में आए केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बड़ी लकीर खींच दी हैं। हरियाणा के दो बार मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल ने अपने पैतृक घर को दान करने का फैसला किया है। गुरुवार को उन्होंने गांव में पैतृक तौर पर मिली डेढ़ एकड़ जमीन भी बेच दी। केन्द्रीय मंत्री ने जमीन बेचने के बाद मिलने वाली धनराशि को प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करने का फैसला किया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि केन्द्रीय ऊर्जा एवं शहरी आवासन मंत्री ने अपने पुश्तैनी गांव बनियानी में करीब डेढ़ एकड़ जमीन बेच दी है। वे इससे मिली धनराशि प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करेंगे। गांव बनियानी में मनोहर लाल की पुश्तैनी जमीन में से करीब डेढ़ एकड़ उनके हिस्से में आई थी।

# सबरीमाला सोना चोरी में मंदिर का पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 23 अक्टूबर। सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी मामले में एसआईटी का एक्शन जारी है। इस बीच खबर है कि सबरीमाला मंदिर के पूर्व एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर को भगवान अयप्पा के पवित्र मंदिर से सोने की परत में हुई हेराफेरी के मामले में एसआईटी ने हिरासत में लिया है।

- एसआईटी ने जांच में बोर्ड द्वारा रुकावट डालने का आरोप लगाया
- एसआईटी ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की 2019 की मिनिट्स बुक जब्त की, जिसमें उसे महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

मंदिर के पूर्व एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर मुरारी बाबू को गुरुवार को हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें तिरुवनंतपुरम लाया गया। अब उनसे पूछताछ की जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि हिरासत में लिए गए सबरीमाला मंदिर के पूर्व एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर से उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ मिलकर पूछताछ की जाएगी। बता दें कि उन्नीकृष्णन पोट्टी इस मामले से जुड़े एक अहम व्यक्ति हैं, जिनको 2019 में मंदिर में सोने की परत चढ़ाने का काम सौंपा गया था और वे गिरफ्तार हैं। जांचकर्ताओं के अनुसार, बाबू ने कथित तौर पर मंदिर के रिकॉर्ड में हेराफेरी की। इसमें सोने की चीजों को तांबे के तौर पर रजिस्टर किया गया था, जिससे मंदिर की इन्वेंट्री से कीमती सामान के गायब होने की बात छिप गई। उल्लेखनीय है कि एसआईटी ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की 2019 की मिनट्स बुक जब्त कर ली है। इसी में सोने की चादरें और प्लेटिंग का सामान उन्नीकृष्णन पोट्टी को सौंपने का ऑफिशियल फैसला है। केरल हाई कोर्ट को सौंपी गई एसआईटी की रिपोर्ट में देवस्वोम बोर्ड के कुछ सदस्यों और कर्मचारियों पर प्राइवेट लोगों की तरफ से काम करने का आरोप लगाया गया है, जिससे सरकारी रिकॉर्ड में साफ हेरफेर की ओर इशारा किया गया है। बता दें कि जांच करने वालों ने बोर्ड पर जानबूझकर रुकावट डालने का भी आरोप लगाया है। उनका दावा है कि उसने बार-बार कहने पर ही रिकॉर्ड पेश किए, जिससे मामले को दबाने का शक और बढ़ गया है।

## केदारनाथ व ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पंजीकृत भक्त कपाट खुलने के बाद से दर्शन कर चुके हैं। अब इन दोनों के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली और ओंकारेश्वर मंदिरों में हो सकेंगे। यहां भी उनके दर्शनों की मान्यता ग्रीष्मकालीन दर्शनों की भांति ही है।

यमुनोत्री धाम के कपाट आज विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य शीतकाल के लिए बन्द कर हो गये। कपाट बंदी प्रक्रिया अपराह्न 12 बजकर 30 मिनट पर सम्पूर्ण हुई। कपाट बंद होने की परंपरा के अनुसार, खरसाली गाँव से समेश्वर देवता (शनिदेव) की डोली मां यमुना को लेने धाम पहुंची।

कपाट बंद होने के बाद शनिदेव की अगुवाई में मां यमुना की भोग मूर्ति और उत्सव डोली, ढ ोल नगाड़ों और शंखनाद के बीच शीतकालीन प्रवास खरसाली गद्दीस्थल मंदिर के लिए रवाना की गयी।

# सीजेआई पर हमले के केस में सुनवाई 27 अक्टूबर को

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर हमले की कोशिश के मामले में अधिवक्ता राकेश किशोर के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली एक याचिका पर 27 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करेगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने पीठ के समक्ष इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध करते हुए कहा था कि भारत के अटॉर्नी जनरल ने किशोर पर आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति दे दी है।

## कांग्रेस ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कांग्रेस 2020 के परिणाम से कितना सुधार कर पाती है, जब उसने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन केवल 19 सीटें जीती थी।

# राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन नेशनल कॉन्फ्रेंस को

श्रीनगर, 23 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि आगामी राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह से नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है और उनकी पार्टी को कांग्रेस का पूरा समर्थन मिलेगा।

- फारुक अब्दुल्ला ने श्रीनगर में मीडिया को बताया।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने श्रीनगर में एक निजी फर्म के उद्घाटन के अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए ये विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, कांग्रेस द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन न देने की खबर पूरी तरह निराधार है । कांग्रेस हमारे साथ है और राज्यसभा चुनाव में हमारा समर्थन कर रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस इन चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगी।

संसद न जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अब उनका ध्यान संसद की बजाय जम्मू-कश्मीर पर है। " उन्होंने कहा, मैंने संसद में बहुत कुछ किया है, अब मुझे अपने घर, यानी जम्मू-कश्मीर, की देखभाल करनी है। अगर घर समृद्ध रहेगा, तो देश भी समृद्ध रहेगा। हमें अपने घर को मजबूत करना है, यहां के लोगों को सुविधा पहुंचानी है, यही हमारा लक्ष्य है।"

उन्होंने आगे कहा कि अब नेशनल कॉन्फ्रेंस के युवा सदस्य संसद में जनभावनाओं, भावनाओं और आकांक्षाओं को व्यक्त करेंगे। हमारे सांसद सिर्फ़ हमारे लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए हैं। उन्हें यह देखना होगा कि देश में उत्पन्न हो रही समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए।

मिराज मलिक पर पीएसए (पब्लिक सेफ्टी एक्ट) लगाने के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हालांकि संबंधित नेता ने डिप्टी कमिश्नर के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था, लेकिन उन पर पीएसए लगाना सही फैसला नहीं था। इन मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता था। हर समस्या का समाधान बातचीत में निहित है, झगड़े और लड़ाई से कुछ नहीं होता।

## महागठबंधन के...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

10 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला है, तो यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।"

पोस्टर विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राज्य मीडिया प्रभारी, दानिश इकबाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "इन्डिया ब्लॉक में चल रही आपसी कलह अब सार्वजनिक हो गई है। पहले राहुल गांधी ने तेजस्वी को गठबंधन का चेहरा नहीं माना था। अब तेजस्वी ने राहुल गांधी को पोस्टरों से हटा दिया है। यह पोस्टर ही महागठबंधन के टूटने का ऐलान है।"

## बॉलीवुड का...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

क्या सहनी को डिप्टी मुख्यमंत्री का संभावित चेहरा घोषित किया जा सकता है? हां, जवाब आया, क्योंकि पार्टी जानती थी कि ऐसा न करने पर मल्लाह समुदाय के वोट खोने का खतरा था।वाम नेता के दिपांकर भट्टाचार्य, जो नीचे इंतजार कर रहे थे, से भी पूछा गया।

उन्होंने कहा, "ठीक है।" और इस तरह मुकेश सहनी - जो एक बॉलीवुड सेट डिजाइनर से बिहार में दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बन सकते है, को यादव का डिप्टी घोषित किया गया।

## 'गरीबों और बेघरों ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में रहने वाले संवेदनशील वर्गों, विशेष रूप से नवजात शिशुओं, बच्चों, गरीबों, बुजुर्गों, बेघरों, निराश्रितों और भिखारियों की सुरक्षा के लिए पूर्व-निवारक कदम उठाएं और राहत उपाय लागू करें।

जलवायु परिवर्तन के कारण बदलते मौसम में मानवाधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

## अमेरिका ने कभी हाँ कभी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

खरीदार है। चीन के पास अपनी स्वतंत्र बैंकिंग व्यवस्था है और वह कुछ समय तक इस स्थिति को बनाए रख सकता है।

प्रतिबंधों की घोषणा शीत युद्ध काल की बयानबाजी की अचानक वापसी को दर्शाती है और दोनों महाशक्तियों के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से दूरी को भी दर्शाती है। प्रतिबंधों की घोषणा, रूस के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने में ढिलाई बरतने की अमेरिका की नीति में एक बड़ा बदलाव है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिबंधों की घोषणा में कहा गया है कि जो भी संस्था इन कंपनियों से तेल का लेन-देन करेगी, उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और जो बैंक इन सौदों को सुविधाजनक बनाएंगे, उन्हें अमेरिकी बाजारों, डॉलर आधारित सौदों और अमेरिकी क्लियरिंग सिस्टम से बाहर कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि इन कंपनियों से कारोबार करने वाले ऐसे सभी वित्तीय संस्थानों का व्यवसाय समाप्त हो जाएगा।

रूसी विदेश मंत्रालय और प्रवक्ताओं ने प्रतिबंधों की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। रूस ने कहा कि प्रतिबंधों को लागू करने का निर्णय यह दर्शाता है कि अमेरिका ने सारी कूटनीति छोड़ दी है और "युद्ध की कार्रवाई" का रास्ता अपनाया है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका के खिलाफ तीखा बयान दिया है।

अमेरिकी रूख सख्त होता जा रहा है, यह अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमिर पुतिन के बीच बुडापेस्ट में प्रस्तावित शिखर बैठक को रद्द करने की पूर्व घोषणा से स्पष्ट हो गया था। ट्रंप ने कहा कि वे पुतिन के साथ एक और बैठक में समय बर्बाद नहीं करना चाहते।

दरअसल, ट्रंप को एहसास हो रहा है कि पुतिन बातचीत में दिलचस्पी नहीं रखते और वे शांति समझौते को लेकर गंभीर नहीं हैं। अब तक, ट्रंप को अपनी "डील मेकिंग" पद्धति में विश्वास था और उन्हें लगता था कि वे पुतिन को कुछ लेन-देन वाली बातचीत से लुभा सकते हैं।

वहीं, पुतिन ने यूक्रेन से संबंधित अपनी अतिवादी मांगों को जारी रखा, जिनमें वे उन क्षेत्रों की मांग कर रहे थे, जिन पर वह अब तक कब्जा नहीं कर सके हैं। पुतिन पहले ही डोम्बास क्षेत्र की लगभग 78 प्रतिशत ज़मीन पर नियंत्रण कर चुके हैं, लेकिन अब वे और भी अधिक चाहते हैं।

यह वही संदेश था, जिसे पुतिन के उपाध्यक्ष और विदेश मंत्री, सर्गेई लावरोव ने अपने अमेरिकी समकक्ष, मार्क रुबियो को भेजा था, जिसके बाद ट्रंप, पुतिन के साथ समिट को रद्द करने के लिए राजी हुए।

रूस की हठधर्मिता और अपने कठोर रूख से प्रतीकात्मक रूप से भी पीछे हटने से इन्कार करने के कारण ही रूस के प्रति अमेरिका का रुख और भी सख्त हो गया। अब तक, राष्ट्रपति ट्रंप यह मान रहे थे कि वे पुतिन को कुछ विकल्पों से ललचाकर समझौते करवा सकते हैं। आखिरकार, प्रतिबंधों का असर इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका स्वयं इन प्रतिबंधों को कितनी सख्ती से लागू करता है। यदि प्रतिबंधों का सख्ती से पालन किया जाता है तो खरीददार रूसी संबंधों से किनारा करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। यदि प्रतिबंधों पर ठीक से अमल नहीं किया गया तो खरीददारों को यह उम्मीद रहेगी कि वे इन प्रतिबंधों को दरकिनार कर सकते हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908